सुविचार

उठो, जागो और तब तक नहीं रूको,
जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाये।

तरंग

बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भेल भोपाल का मासिक ई - न्यूजलेटर

tarangnews2024@gmail.com | माह-सितंबर 2025 | अंक - 27 वां

आवश्यक सूचना

समस्त नियमित विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि महाविद्यालय परिसर में निर्धारित यूनिफॉर्म पहनकर एवं महाविद्यालय से प्रदाय परिचय पत्र धारण कर आना अनिवार्य है।

22 अगस्त 2025 से निर्धारित यूनिफॉर्म एवं परिचय पत्र धारण किये बिना प्रवेश निषेध रहेगा।

शर्ट- स्काई ब्लू
पेंट – नेवी ब्लू

प्राचार्य

कुर्ती / शर्ट – स्काई ब्लू
सलवार / पेंट - नेवी ब्लू

इस अंक के आकर्षण:

- रोजगार मेला
- हर घर तिरंगा अभियान
- स्वतंत्रता दिवस समारोह
- श्रीकृष्ण और बलराम- स्मरण
- कवि गोष्ठी

मोबाइल पर मिलेंगी जानकारियाँ

जुड़िए हमारे NEWS Letter

TARANG SE

तरंग से

स्वरोजगार हेतु प्रदर्शनी सह कार्यशाला का आयोजन

07/08/2025 महाविद्यालय में एक दिवसीय रोजगारोन्मुखी कार्यशाला एवं प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिसका प्रारंभ डॉ. मथुरा प्रसाद, अतिरिक्त संचालक ,भोपाल नर्मदा पुरम संभाग, उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन भोपाल व श्री बारेलाल जी अहिरवार जन भागीदारी अध्यक्ष एवं प्राचार्य डॉ. संजय जैन के द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। प्रदर्शनी एवं कार्यशाला को तीन भागों में रखा गया । पहले भाग में ,हस्त निर्मित वस्तुएं जैसे राखी, बैग्स, ब्रेसलेट्स , पेंटिंग्स ,जूट के उत्पाद, ज्वेलरी इत्यादि मुख्यतःरखी गईं। दूसरे भाग में, हाथ से निर्मित खाद्य पदार्थ जैसे विभिन्न प्रकार के अचार, पापड़,जैम, चटनियां,मठरी, चकली, लड्डू रखे गए थे। इसमें महाविद्यालय के नियमित विद्यार्थियों द्वारा पाइनएप्पल पेस्ट्रीज, कुकीज,चॉकलेट्स, कप केक्स के स्टाल भी लगाए गए। कार्यशाला एवं प्रदर्शनी के तीसरे भाग में गरमा गरम खाद्य पदार्थो को रखा गया, जिसमें वहीं पर निर्मित पोटैटो ट्विस्टर, साबूदाने के बड़े, भुट्टे के पकोड़े, छोले टिक्की चाट ,पानी पुरी, गुलाब जामुन इत्यादि को रखा गया । इसके साथ, ही भारी संख्या में विद्यार्थियों और स्टाफ के सदस्यों ने साउथ इंडियन डिशेज इडली, बड़ा, डोसा सांभर और गरमा गरम चाय का भी लुत्फ उठाया। महाविद्यालय की स्वामी विवेकानंद कैरियर गाइडेंस, ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल की संयोजक एवं सदस्यों के द्वारा विद्यार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान किया गया कि किस प्रकार से वे इन सभी उत्पादों को निर्मित कर और स्वरोजगार को अपनाकर अपना कॅरियर बना सकते हैं। विद्यार्थियों ने सभी स्टॉल्स पर जाकर जानकारी प्राप्त की। साथ ही, विद्यार्थियों ने क्लाउड्स किचन के कांसेप्ट को समझ कर इस क्षेत्र में स्वरोजगार प्राप्त करने संबंधी जानकारी भी प्राप्त की। इस प्रकार , यह एक दिवसीय रोजगारोन्मुखी कार्यशाला और प्रदर्शनी विद्यार्थियों के लिए बहुत ही उपयोगी रही ।

‘एक पेड़ माँ के नाम’ पौधारोपण

12/08/2025 **‘अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस’** के उपलक्ष्य में बरकतउल्ला विश्वविद्यालय की **‘राष्ट्रीय सेवा योजना’** द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बालक और बालिका इकाई के दोनों कार्यक्रम अधिकारियों द्वारा **‘एक पेड़ माँ के नाम’** पर लगाया गया।

पुस्तकालय विज्ञान के पितामह डॉ. एस.आर. रंगनाथन की मनाई गई जन्म जयंती

12/08/2025 महाविद्यालय के पुस्तकालय विभाग द्वारा पद्मश्री डॉ. एस. आर. रंगनाथन की जयंती एवं राष्ट्रीय पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस के अवसर पर एक भव्य कार्यक्रम और पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डॉ संजय जैन द्वारा दीप प्रज्वलन एवं डॉ. रंगनाथन के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। इस अवसर पर अतिथियों ने भारतीय पुस्तकालय विज्ञान के जनक डॉ. रंगनाथन के योगदान को याद करते हुए उनके द्वारा प्रतिपादित पुस्तकालय के पाँच नियम की प्रासंगिकता पर विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी शिक्षकगण, विद्यार्थी एवं पुस्तकालय प्रेमी उपस्थित रहे।

‘एकीकृत अमृत ध्यान कार्यशाला’ का आयोजन

12/08/2025 भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत समग्र स्वास्थ्य और अमृत विश्व विद्यापीठ के सौजन्य से एकीकृत अमृत ध्यान विषय पर कार्यशाला आयोजित की गयी। " विश्व विद्यापीठ के सौजन्य से अमृता आनंदमयी (अम्मा) के द्वारा समग्र स्वास्थ्य और एकीकृत कार्यक्रम 'का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नरेंद्र आनंद एवं श्वेता आनंद जी का प्राचार्य. डॉ संजय जैन के द्वारा नवपल्लवित पौधे देकर स्वागत किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य विषय- योग एवं ध्यान था। योग और ध्यान के करने से हमारे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को लाभ मिलता है। योग और ध्यान का महत्व प्राध्यापक एवं विद्यार्थियों को शारीरिक योग द्वारा बताया गया। इस कार्यशाला में जीवन और स्वास्थ्य के सभी पक्षों पर चर्चा की गई। हमारा स्वास्थ्य केवल औषधि पर आश्रित नहीं होना चाहिए। भारतीय ज्ञान और चिंतन मन' की अनेकानेक दिशा और दशाओं पर विचार करता है। इस कार्यशाला में महाविद्यालय परिवार ने योग और ज्ञान की अनेक प्रकार की जानकारी प्राप्त की और आनंद की अनुभूति की। कार्यक्रम का संचालन भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. समता जैन द्वारा किया गया। प्राध्यापक और विद्यार्थियों ने अपने-अपने विचार योग और ध्यान के बारे में साझा किये। डॉ. वर्षा चौहान, डॉ. संजय बाणकर, एवं छात्रा रितिका ठाकुर द्वारा योग अध्ययन के बारे में कुछ प्रश्न भी पूछे गए। कार्यक्रम आयोजन समिति डॉ. समता जैन, डॉ. वर्षा चौहान, डॉ. गीता चौहान द्वारा संपन्न किया गया। कार्यक्रम में समस्त महाविद्यालय परिवार एवं विद्यार्थियों ने उपस्थित होकर इस कार्यक्रम को सफल रूप दिया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. गीता चौहान द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

नशा मुक्त भारत अभियान

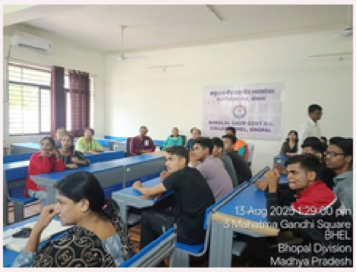

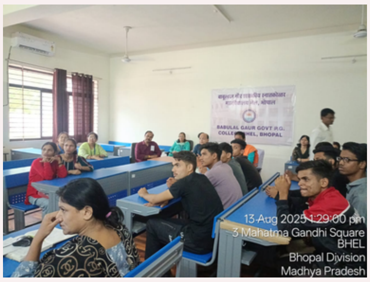

13/08/2025 नशा मुक्त भारत अभियान अंतर्गत माननीय मुख्यमंत्री जी के मुख्य आतिथ्य में रवीन्द्र भवन भोपाल मे आयोजित कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय जैन एवं जनभागीदारी अध्यक्ष श्री बारेलाल अहिरवार जी एवं समस्त महाविद्यालय परिवार एवं विद्यार्थीगण की उपस्थिति रही।

एन.सी.सी.द्वारा आयोजित हर घर तिरंगा यात्रा

14/08/2025 महाविद्यालय प्राचार्य के निर्देशन में एन.सी.सी. इकाई के कैडेट्स द्वारा हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत महाविद्यालय के आसपास के क्षेत्रों में तिरंगा रैली निकाली गई। जिसमें महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय जैन एवं महाविद्यालय का समस्त स्टॉफ एवं एन.सी.सी. कैडेटस तथा महाविद्यालय के नियमित विद्यार्थी उपस्थित रहे।

बलराम जयंती अवसर पर आयोजित विचार संगोष्ठी

14/08/2025 बलराम जयंती अवसर पर आयोजित विचार संगोष्ठी में प्राचार्य प्राध्यापक एवं विद्यार्थियों ने बलराम जयंती पर उनके प्रेरक प्रसंगों पर सारगर्भित चर्चा की। धरती माँ की सेवा करने वाले कृषि संस्कृति के संरक्षक पर्यावरण संरक्षण के प्रणेता श्रम बल और भक्ति के प्रेरक हलधर बलदाऊ जी के कार्यो को आज के समय में प्रासंगिक बताया। शोधार्थी शरद प्यासी ने बताया कि बलराम जी ने श्री कृष्ण के बड़े भाई के रूप में स्नेहिल सहयोग के साथ मार्गदर्शक की भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई गोकुल में भगवान कृष्ण की बाँसुरी के साथ बलदाऊ जी का हल भी था, जो उनका शस्त्र भी था एवं मेहनत का परिचायक भी महाभारत के युद्ध के समय धर्मसंकट में उन्होंने तटस्थता की नीति अपनायी। उनका कहना था कि जहाँ संबंधों में तनाव आ जाए वहाँ तटस्थ रहना ही उचित है। प्राचार्य डॉ संजय जैन ने उनके प्रेरक व्यक्तित्व से सीख लेने एवं भारत जैसे कृषि प्रधान देश में उनके महत्वपूर्ण योगदान को याद किया। कार्यक्रम में डॉ. शीला कुमार डॉ. अनुपमा यादव व महाविद्यालय के सभी सदस्यगण उपस्थित रहे।

स्वतंत्रता दिवस समारोह

15/08/2025 **स्वतंत्रता दिवस समारोह** मनाया गया। एन.सी.सी. केडेट्स, युवा विद्यार्थी, जनभागीदारी अध्यक्ष श्री बारेलाल अहिरवार जी, श्री खिलान सिंह, श्री संजय कुंवर, श्री करतार सिंह नागर, महाविद्यालय के प्राध्यापक, कर्मचारी साथियों ने झंडा वंदन के साथ राष्ट्रगान का समवेत स्वर में गायन किया। "युवा देशभक्ति की भावना को सदा अपने मन में बसाए रखें। अपने कर्त्तव्य का पालन करें।" यह बात प्राचार्य डॉ. संजय जैन ने अपने संबोधन में कही। माननीय बारेलाल जी ने पूरे महाविद्यालय परिवार को 79 वे स्वतंत्रता दिवस की बधाई देते हुए राष्ट्र के प्रति प्रेम को सदा बनाए रखने का आह्वान किया। कर्मचारी वर्ग के प्रतिनिधि श्री रमाकांत तिवारी ने ऑपरेशन सिंदूर और पहलगाम की घटना से जोड़कर अपनी बात कही। एन. सी. सी. केडेट्स, एन.एस.एस. के स्वयंसेवक और विद्यार्थियों ने विचार- प्रस्तुति, समूह-गान में सहभागिता की। महाविद्यालय परिवार ने स्वतंत्रता दिवस समारोह के सीधे प्रसारण को कॉन्फ्रेंस हॉल में देखा और भावनात्मक जुड़ाव का अनुभव किया। इस अवसर पर **स्वापक नियंत्रण ब्यूरो NCB** से आए हुए सदस्यों के साथ **'नशे को ना, जीवन को हाँ'** अभियान का हिस्सा बनकर कैंपस को नशामुक्त बनाने का संकल्प लिया गया। 79 वां स्वतंत्रता दिवस का आयोजन गौरवमयी और स्मरणीय बन गया।

15/08/2025 "बाबूलाल गौर पीजी गवर्नमेंट कॉलेज, बीएचईएल के लिए यह गौरवपूर्ण और ऐतिहासिक क्षण है क्योंकि सीपीएल आबिद खान को 79 वें स्वतंत्रता दिवस के भव्य अवसर पर एनसीसी परेड में कंटिंजेंट कमांडर के रूप में नेतृत्व करने का गौरव प्राप्त हुआ है। उनका अनुशासन, नेतृत्व और समर्पण देशभक्ति की सच्ची भावना को दर्शाता है, साथी कैडेटो को प्रेरित करता है और हमारे कॉलेज को गौरवान्वित करता है।"

श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर आयोजित विचार गोष्ठी

16/08/2025 श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर आयोजित विचार गोष्ठी का शुभारंभ करते हुए जनभागीदारी अध्यक्ष श्री बारेलाल अहिरवार ने सभी को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा हमें पौराणिक व्यक्तित्व के माध्यम से जीवन जीने का नया मार्ग दिखाती है। श्री कृष्ण जी सभी कलाओं में निपुण थे।विद्यार्थियों को उनसे विनम्रता और सहनशीलता सीखना चाहिए। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय जैन ने श्री कृष्ण जी के विशाल व्यक्तित्व की विविधता बताते हुए कहा कि हमे उनसे धैर्यवान बनने की शिक्षा ग्रहण करना चाहिए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भारत की समृद्ध सांस्कृतिक परम्परा के संवाहक व्यक्तित्वों पर चर्चा भी एक प्रकल्प है जिससे हम विद्यार्थियों को अपनी गौरवशाली संस्कृति और परम्पराओं से रूबरु करा सकते हैं। श्री रमाकांत तिवारी ने महाभारत की चर्चा करते हुए श्री कृष्ण के विराट व्यक्तिव को साकार कर दिया। श्री शिवनारायण प्रजापति ने श्री कृष्ण भक्ति पर आधारित भजन गायन से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। सुरक्षा कर्मी मनोहर लाल सोनी ने सुदामा और कृष्ण की मित्रता पर एक कविता वाचन किया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए प्रारंभ में डॉ. अनुपमा यादव ने श्री कृष्ण जी के जीवन प्रसंगों पर चर्चा की। इस अवसर पर डा इलारानी श्रीवास्तव, डा चारूलता लता राठौर, ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए संगोष्ठी की सार्थकता बढ़ाई .अंत मे डा शीला कुमार ने सभी का आभार व्यक्त किया।

स्व. बाबूलाल जी गौर की पुण्यतिथि पर पुष्पांजलि कार्यक्रम के आयोजन हेतु बैठक

18/08/2025 बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल में पूर्व मुख्यमंत्री स्व. बाबूलाल जी गौर की पुण्यतिथि पर पुष्पांजलि कार्यक्रम का आयोजन, महाविद्यालय के शोध केन्द्र पर प्रबंधन विषय से पीएच डी सुविधा तथा विद्यावन का विकास किये जाने जैसे निर्णय जनभागीदारी समिति की बैठक में श्री बारेलाल अहिरवार की अध्यक्षता मे लिए गये। प्राचार्य एवं सचिव डॉ. संजय जैन ने बताया कि 21 अगस्त को बाबूजी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि का कार्यक्रम तथा उनके व्यक्त्वि एवं कृतित्व पर चर्चा की जाएगी। कॉलेज मे अभी वाणिज्य और राजनीति विज्ञान विषय मे पीएच डी की सुविधा है इसका विस्तार करते हुए अब प्रबंधन विषय में भी पीएच डी सुविधा उपलब्ध करवाई जाएगी। महाविद्यालय परिसर में विकसित किए जा रहे विद्यावन मे फलदार वृक्ष भी लगाए जाएंगे । बैठक में सदस्य डॉ. चारूलता राठौड़, डॉ. अंजना अग्रवाल, तेजसिंह ठाकुर, संजय कुंवर, पक्ष खाम्बरा, करतार सिंह नागर, भेल प्रशासक प्रतिनिधि सहित कई सदस्य उपस्थित रहे।

भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित प्रतियोगिताएँ

19/08/2025 भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ द्वारा उच्च शिक्षा विभाग द्वारा निर्देशित गतिविधि त्रैमासिक कैलेंडर के अगस्त माह की विभिन्न विधाओं के अंतर्गत प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम दोपहर 12:30 से 1:30 बजे तक पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसका विषय **विश्व शांति एवं सौहार्द्र** रहा। इस विधा में 7 प्रतिभागियों ने सहभागिता की जिसमें प्रथम निकिता सिंह, द्वितीय खुशाली सरेयाम, तृतीय स्थान पर दीप्ति शुक्ला एवं प्राची विश्वकर्मा रही। तत्पश्चात व्याख्यान माला विद्या का आयोजन किया गया जिसका विषय वसुधैव कुटुंबकम की भारतीय अवधारणा पर केंद्रित था, जिसमें विद्यार्थी ने बढ़-चढ़कर भाग लिया जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में नरिंदर आनंद एवं श्वेता आनंद रहे।

आयोजित प्रतियोगिताओं के क्रम में नाट्य/ नृत्य/ संगीत की प्रस्तुति विधा में 12 विद्यार्थियों ने भाग लिया एवं अपनी प्रस्तुति दी, इस विधा में प्रथम स्थान पर निकिता सिंह द्वितीय स्थान पर खुशाली सरेयाम एवं तृतीय स्थान पर दीप्ति शुक्ला रही। विधाओं में निर्णायक के रूप में डॉ. सीमा श्रीवास्तव, डॉ. कीर्ति श्रीवास्तव, डॉ. इलारानी श्रीवास्तव, डॉ. गीता चौहान, श्रीमती शालिनी तिवारी रही। आयोजन समिति के सदस्यों में डॉ. अर्चना जैन, डॉ. प्रीति जौहरी, डॉ. मीता बादल, डॉ. सुषमा जादौन, डॉ. अनुपमा यादव, डॉ. संजय बाणकर, डॉ. कमलेश सिंह नेगी,डॉ. दीक्षा बरडे रही। यह सभी गतिविधियां महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय जैन के नेतृत्व एवं डॉ. चारुलता राठौर के मार्गदर्शन में आयोजित की गई। कार्यक्रम संयोजक भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. समता जैन के संयोजन में सभी प्रतियोगिताओं सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई इस में शामिल विद्यार्थी, प्राध्यापक, सहायक प्राध्यापक एवं कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक संवर्ग के अधिकारी/ कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे ।

पूर्व मुख्यमंत्री स्व. बाबूलाल जी गौर की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम एवं सेमीनार का आयोजन

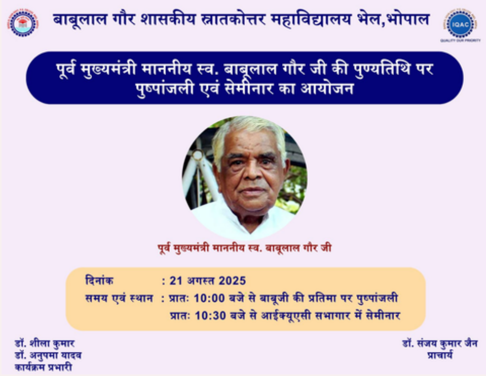

21/08/2025 पूर्व मुख्यमंत्री स्व. बाबूलाल जी गौर की पुण्यतिथि पर उनकी प्रतिमा के समक्ष जनभागीदारी समिति, महाविद्यालय परिवार एवं छात्र-छात्राओं ने पुष्पांजली तथा श्रध्दा सुमन अर्पित किये। इस अवसर पर आयोजित सेमीनार में मुख्य अतिथि के रूप में जनभागीदारी अध्यक्ष श्री बारेलाल अहिरवार ने कहा कि बाबूजी एक महान व्यक्तित्व के धनी थे। वे जीवनभर आम आदमी से जुड़े रहे। आम आदमी की उन तक सहज की पहुँच रही। वे हमेशा समय के पाबंद रहते थे, यह उनकी सफलता और समर्पण का मूलमंत्र है, वे राजनीति के अपराजेय योद्धा रहे है। वे सदैव स्मरणीय रहेंगे। विद्यार्थियों को उनसे प्रेरणा लेना चाहिये। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. संजय जैन ने कहा कि बाबूजी विशाल व्यक्तित्व के धनी थे। उनका कृतित्व सदैव प्रेरणास्पद रहा है। इस महाविद्यालय का विकास एक अनुपम उदाहरण है। महाविद्यालय में बाबूलाल गौर शोध समन्वय प्रकोष्ठ उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर शोधात्मक अध्ययन के लिये प्रयत्नशील है। उन्होनें एक ही विधानसभा क्षेत्र से 10 बार विजय प्राप्त कर राजनीतिक क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित किया। इस अवसर पर उनके सहयोगी श्री टी.आर. मिश्रा तथा महाविद्यालय परिवार के श्री रमाकांत तिवारी तथा छात्र-छात्राओं ने अपने विचार व्यक्त करते हुए श्रध्दासुमन अर्पित किये। कार्यक्रम का संचालन राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. अनुपमा यादव ने किया एवं संयोजन डॉ. शीला कुमार ने तथा आभार डॉ. अर्चना गौर ने व्यक्त किया। इस अवसर पर जनभागीदारी समिति सदस्य श्री तेज सिंह ठाकुर, श्री खिलान सिंह, श्री करतार सिंह नागर, श्री दर्शन सेन, श्री संजय कुँवर सहित कई जनप्रतिनिधि तथा स्थानीय नागरिक तथा छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

महाविद्यालय परिसर में अनाधिकृत लोगों के प्रवेश रोकने के लिये चलाई गई मुहिम

22/08/2025 महाविद्यालय परिसर में अनाधिकृत लोगों का प्रवेश रोकने के लिए महाविद्यालय प्रशासन ने शुक्रवार को सख्त रूख अख्तियार कर लिया। प्राचार्य के सख्त निर्देश पर बगैर यूनिफार्म एवं परिचय पत्र आए विद्यार्थियों को महाविद्यालय में प्रवेश नहीं दिया गया। इसके साथ ही परिसर में आने वाले प्रत्येक छात्र-छात्राओं का विवरण आगन्तुक रजिस्ट्रर में दर्ज किया गया। प्राचार्य डॉ. संजय जैन ने बताया कि विद्यार्थियों से प्राप्त फीडबैक के आधार पर ही ड्रेस कोड लागू किया गया है। 22 अगस्त 2025 से कोई भी नियमित विद्यार्थी महाविद्यालय में बिना यूनिफार्म के एंट्री नहीं ले पाएगा, इससे अवांछित छात्र छात्राएँ महाविद्यालय मे नहीं आ सकेंगे, जिससे महाविद्यालय का शैक्षणिक वातावरण बना रहेगा। विद्यार्थियों को यूनिफार्म मे आने हेतु 1 जुलाई से बोला जा रहा है, परंतु बहुत से विद्यार्थियों ने इसे गंभीरता से नहीं लिया जबकि प्रवेश प्रक्रिया के आरम्भ से ही यूनिफॉर्म के लिए छात्र-छात्राओं को इसकी सूचना दे दी गई थी। यह मुहिम जारी रहेगी । जब तक कि सभी यूनिफार्म में आना प्रारंभ नहीं करेगे। कई अभिभावको ने इस मुहिम पर प्रसन्नता व्यक्त की ।

आईसीएसआई भोपाल द्वारा आयोजित कॉन्फ्रेंस में महाविद्यालय के प्राध्यापक हुए शामिल

23/08/2025 The Institute of Company Secretaries of India (ICSI) के भोपाल चैप्टर द्वारा एक विशेष कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया, इस अवसर पर प्रदेश भर से कंपनी सेक्रेटरी एवं संबंधित क्षेत्रों के विशेषज्ञों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य कॉरपोरेट गवर्नेंस, पेशेवर नैतिकता एवं कंपनी सेक्रेटरी के बदलते स्वरूप पर चर्चा करना था। इस कॉन्फ्रेंस में महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष एवं प्राध्यापक डॉ. आर. के. शर्मा एवं सहायक प्राध्यापक डॉ. संजय बाणकर ने सक्रिय भागीदारी करते हुए महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया और अपने विचारों को कॉन्फ्रेंस मे रखा । ICSI भोपाल चैप्टर भोपाल द्वारा उन्हें सम्मानित किया गया। इस सम्मान से न केवल प्राध्यापक की व्यक्तिगत उपलब्धियों को मान्यता मिली, बल्कि महाविद्यालय की प्रतिष्ठा में भी वृद्धि हुई। महाविद्यालय परिवार ने डॉ. आर. के. शर्मा एवं डॉ संजय बाणकर को शुभकामनाएं दीं ।

महाविद्यालय में आयोजित हुई ‘संघर्ष महामानव का’ पुस्तक परिचर्चा

23/08/2025 बाबा साहब ने सामाजिक न्याय, आत्मसम्मान एवं स्वतंत्रता के लिये निरंतर संघर्ष किया। उनका चिंतन, जीवनदर्शन और संघर्ष उन्हें महामानव बनाता है उनका जन्म संभवत: भारत के पुर्नजागरण के लिए ही हुआ था उक्त उदगार बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल भोपाल में प्रज्ञा विमर्श न्यास द्वारा प्रायोजित तथा भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित रमेश पतंगे कृत ‘संघर्ष महामानव का’ पुस्तक परिचर्चा में व्यक्त किये गये।

महाविद्यालय में ‘प्रज्ञा विमर्श न्यास’ द्वारा श्री रमेश पतंगे की पुस्तक ‘संघर्ष महामानव का’ पर परिचर्चा भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित की गई। इस अवसर पर सेवानिवृत्त आईएएस श्री अजातशत्रु श्रीवास्तव ने कहा कि बाबा साहब ने सामाजिक न्याय ,आत्मसम्मान और स्वतंत्रता के लिये निरंतर संघर्ष किया इसलिये वे महामानव कहलाये। वर्तमान परिदृश्य में हमें पुस्तकों की ओर लौटना आवश्यक है। प्रत्येक कालेज में पुस्तक चर्चा क्लब की आवश्यकता पर बल दिया इससे सामाजिक मुद्दों पर उद्देश्यपूर्ण विचार विमर्श युवाओं द्वारा किया जा सकेगा। इस अवसर पर पुस्तक की समीक्षा करते हुए क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालक डॉ.मथुरा प्रसाद ने कहा कि बाबा साहब का जन्म संभवतः भारत के लिये पुनर्जागरण के लिये ही हुआ था। उन्होनें 32 विषयों में उपाधि प्राप्त की थी, उनका जीवन संघर्ष, शिक्षा और सामाजिक दृष्टिकोण के विकास में सतत संलग्न रहा है इसलिये वे महामानव कहलाये। भारत को आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक दृष्टि से समृध्द करने का उन्होनें सदैव प्रयास किया। वे भारतीय संविधान के निर्माता भी कहलाते है। कई विषयों पर महात्मा गाँधी से उनके सैद्धांतिक मतभेद भी रहे है, फिर भी आज बाबा साहब सबके स्मरणीय है। डॉ. प्रसाद ने कहा कि उनकी स्वयं की आज जो स्थिति है- उच्च शिक्षा प्राप्त, उच्च प्रशासनिक पद और उच्च सामाजिक दृष्टिकोण, वह कहीं न कहीं निश्चित ही बाबा साहब के वैचारिक संघर्षो का परिणाम है, यह स्वीकारोक्ति मुक्तकंठ से की। इस अवसर पर डॉ. अशोक शर्मा, विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी ने कहा कि बाबा साहब के संघर्ष के पीछे उनकी पत्नि के योगदान को नहीं बुलाया जा सकता। हमें उनके परिवार के प्रति भी कृतज्ञ होना चाहिये। प्राचार्य डॉ. संजय जैन ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि इस तरह की पुस्तक परिचर्चा से शिक्षकों और विद्यार्थियों की बौध्दिक क्षमता का विकास होता है। महाविद्यालय में स्वरचित साहित्य मंच ने भी पुस्तक पर चर्चा की जाती है। भविष्य में प्रज्ञा भारती के सहयोग से यह आयोजन और प्रभावशाली ढंग से किया जायेगा। इस अवसर पर प्रज्ञा प्रवाह से श्री अभिषेक शर्मा, सुश्री सविता भदौरिया, श्री भूपेन्द्र जाटव और श्री रीतेश शर्मा उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. समता जैन ने किया तथा आभार श्री भूपेन्द्र जाटव ने आभार व्यक्त किया इस अवसर पर भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ द्वारा विगत दिवस आयोजित प्रतियोगिताओं के प्रमाण पत्र भी विद्यार्थियों को अतिथियों द्वारा वितरित किये गये। इस कार्यक्रम में समस्त महाविद्यालय परिवार एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

महाविद्यालय में क्रीड़ा सलाहकार समिति की बैठक हुई संपन्न

25/08/2025 महाविद्यालय में क्रीड़ा सलाहकार समिति की बैठक की गई, जिसमें क्रीड़ा सलाहकार समिति के सभी सदस्य उपस्थित हुए । बैठक में विद्यार्थियों के लिये खेल से संबंधित गतिविधियों पर विस्तार से चर्चा हुई एवं आगामी खेल कैलेण्डर के अनुसार खेल से संबंधित गतिविधियाँ आयोजित करने पर बल दिया गया । विद्यार्थियों को खेल के प्रति सजग और जागरूक करने के लिये सदस्यों ने अपने मूल्यवान सुझाव दिये और किस तरह से विद्यार्थियों में खेल के प्रति रूझान लाना है, जिससे विद्यार्थी खेल के प्रति जागरूक हो सके, इस पर बल दिया गया। प्राचार्य महोदय ने कहा कि युवा अवस्था जीवन का सबसे महत्वपूर्ण पड़ाव है, इसमें ज्ञान के साथ-साथ शारीरिक स्वास्थ्य बहुत आवश्यक है, जिसमें खेलो की महत्वपूर्ण भूमिका होती है । क्रीड़ा प्रभारी श्रीमती शालिनी तिवारी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना सलाहकार समिति की बैठक हुई संपन्न

25/08/2025 राष्ट्रीय सेवा योजना सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें प्राचार्य डॉ. संजय जैन द्वारा अतिथियों को नव पल्लवित पौधे देकर सम्मानित किया गया। डॉ. समता जैन बालक इकाई अधिकारी, डॉ. गीता चौहान बालिका इकाई अधिकारी, डॉ. कमलेश सिंह नेगी बालक इकाई अधिकारी, ने अपनी सहभागिता दी । रा. से. यो के स्वयंसेवकों को अधिक से अधिक एक्टिविटी से जोड़ना है, JOIN NSS के माध्यम से रा. से.यो. इकाई का विस्तार करना है। परिसर विकास के अंतर्गत महाविद्यालय के किसी एक कोने को गोद लेकर उसका विकास करना है, हर गतिविधियों को उसे कॉर्नर से जोड़ें। वर्ष में तीन ओरिएंटेशन करना है पहले कार्यक्रम अधिकारी के साथ दूसरी एवं तीसरी कार्यक्रम अधिकारी महाविद्यालय की पारिस्थितिक अनुरूप चयन करें, प्राचार्य महोदय ने कहा है कि रा. से. यो से प्रत्येक स्वयंसेवक को महाविद्यालय के कार्यक्रमों में अपनी सहभागिता करनी चाहिए ताकि कार्यक्रम के माध्यम से ज्ञान और लाभ स्वयंसेवकों को मिल सके। राहुल सिंह परिहार मुक्त इकाई कार्यक्रम अधिकारी ने कहा है कि एक माह में कम से कम दो गतिविधियां जरूर करें। उस कार्यक्रम में प्रत्येक स्वयंसेवक की सहभागिता हो । महाविद्यालय की इकाई को रा. से. यो की स्वयंसेवकों को बी प्रमाण पत्र की परीक्षा को संपन्न कराना है, ब्लड डोनेशन का कार्यक्रम भी जरूर करें।डॉ अनंत सक्सेना राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम समन्वयक बरकतउल्ला विश्वविद्यालय भोपाल ने कहा है की भेल महाविद्यालय के स्वयंसेवकों को आगे बढ़ाने के अपार अवसर है, यहाँ पर प्रशिक्षित कार्यक्रम अधिकारियों की टीम उपलब्ध है, रेड रिबन क्लब और चाइल्ड प्रोटेक्ट क्लब के माध्यम से भी कई कार्यक्रम किए जा रहे है। नशा मुक्ति के कार्यक्रम करना चाहिए। भोपाल को रा. से. यो के माध्यम से नशा मुक्त बनाना है, यातायात सुरक्षा के लिए भी कार्यक्रम संपन्न करना है, सहयोग सेवा के लिए रा. से. यो के स्वयंसेवकों को तत्पर रहना चाहिए, माय भारत एप पर पंजीयन जरूर कराएं, नया नेतृत्व भेल कॉलेज से उभर कर सामने आएँगे । महाविद्यालय के पूर्व कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सीमा श्रीवास्तव, डॉ.अंजना अग्रवाल, श्रीमती प्रीति जौहरी और डॉ . अर्चना ग़ौर भी उपस्थित रहीं, सोहित मीणा दलनायक (बालक इकाई) सोनम गुर्जर दलनायक (बालिका इकाई) ने अपनी सहभागिता दी। डॉ. समता जैन ने बताया कि इस साल महाविद्यालय में रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरू हुई है, जो कि ऑनलाइन एंड ऑफलाइन दोनों माध्यम से शुरू हुई है। डॉ. गीता चौहान ने प्रोग्राम का संचालन किया और डॉ. समता जैन ने आभार व्यक्त किया।

मिट्टी के गणेश प्रतिमा निर्माण पर कार्यशाला आयोजित

25/08/2025 महाविद्यालय में प्रकृति और पर्यावरण के संरक्षण की संकल्पना पर केंद्रित माटी गणेश सिद्ध गणेश अभियान के अंतर्गत महाविद्यालय की ऊर्जा एवं पर्यावरण संरक्षण, सर्वेक्षण एवं जागरूकता समिति द्वारा माटी गणेश सृजन हेतु एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें महाविद्यालय के विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों ने मिट्टी के गणेश जी बनाकर सहभागिता की। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. कीर्ति श्रीवास्तव ने बताया कि इस तरह के आयोजनों से विद्यार्थी पर्यावरण प्रदूषण के प्रति जागरूक होते हैं एवं अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए दूसरों को भी प्रेरित करते हैं। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. संजय जैन ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यशाला में महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. अर्चना जैन, डॉ. वर्षा चौहान, डॉ. शीला कुमार, डॉ. मीता बादल, श्रीमती आरती पटेल आदि प्राध्यापक उपस्थित रहे।

स्वरचित साहित्य मंच और हिंदी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में कवि गोष्ठी का आयोजन

30/08/2025 स्वरचित साहित्य मंच और हिंदी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय जैन के मार्गदर्शन में एक कवि-गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस गोष्ठी में विज्ञान, कला और वाणिज्य के विद्यार्थियों ने अपनी स्वरचित कविता का प्रभावी प्रस्तुतीकरण किया। महाविद्यालय परिवार से सुरक्षा कर्मी श्री मनोहर लाल सोनी, श्री रमाकांत तिवारी, श्रीमती आरती पटेल, डॉ. कीर्ति श्रीवास्तव, डॉ. इलारानी श्रीवास्तव, डॉ. अर्चना गौर, डॉ. सुषमा जादौन ने रिश्ते, मां, सिंदूर की ताकत और खुशी और गम जैसे विषय पर मन को छू लेने वाली कविताएं पढ़ीं। सभी प्रतिभागियों को पेन देकर पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का संचालन अंग्रेजी विभागाध्यक्ष डॉ.इलारानी श्रीवास्तव ने किया। हिंदी विभाग से डॉ. कमलेश सिंह नेगी ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में पूरा महाविद्यालय परिवार सम्मिलित हुआ।

‘SWAYAM पोर्टल से ऑनलाइन अध्ययन’ कार्यशाला का सीधा प्रसारण

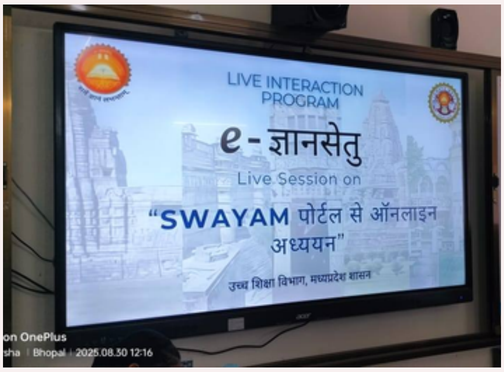

30/08/2025 महाविद्यालय में ‘SWAYAM पोर्टल से ऑनलाइन अध्ययन’ कार्यशाला का सीधा प्रसारण किया। जिसमें महाविद्यालय के प्राचार्य, समस्त स्टॉफ एवं विद्यार्थियों ने सहभागिता कर ‘SWAYAM पोर्टल से ऑनलाइन अध्ययन’ कार्यशाला को रूचिपूर्वक सुना एवं देखा । कार्यशाला के द्वारा समस्त स्टॉफ एवं विद्यार्थियों SWAYAM पोर्टल में कैसे पंजीयन कराना है, यह जाना एवं कैसे SWAYAM पोर्टल में पंजीयन कराकर अध्ययन कर सकते है यह भी जाना । उक्त कार्यशाला स्टॉफ एवं विद्यार्थियों के लिये बहुत ही उपयोगी रही ।

समाचार पत्रों से

स्वदेश ज्योति

पोटेटो ट्विस्टर और भुट्टे के पकोड़े रहे आकर्षण का केन्द्र

बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में रोजगारोन्मुखी प्रदर्शनी और कार्यशाला आयोजित

स्वदेश ज्योति संवाददाता, भोपाल

बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल भोपाल में स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ द्वारा एक दिवसीय रोजगारोन्मुखी प्रदर्शनी सह कार्यशाला का शुभारंभ क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालक डॉ. मथुरा प्रसाद, जनभागीदारी अध्यक्ष बारेलाल अहिरवार एवं प्राचार्य डॉ. संजय जैन द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया। प्रकोष्ठ संयोजक प्रो. प्रतिभा डेहरिया ने बताया कि इस अवसर पर खाद्य सामग्री, गृहसज्जा सामग्री, कपड़े, साड़ियां, बैग, गृह उद्योग से संबंधित विभिन्न स्टॉल लगाये गये थे, जिसमें सर्वाधिक लोकप्रिय क्लाउड किचिन कॉन्सेप्ट रहा, जिसके अंतर्गत छात्र-छात्राओं ने जाना कि कैसे हम घर पर अच्छी खाद्य सामग्री बनाकर जोमेटो, स्वीगी आदि ऑनलाइन माध्यमों से ग्राहकों तक पहुंचा सकते है। इस अवसर पर भुट्टे के पकोड़े, पटेटो ट्विस्टर, साबूदाना बड़ा, पानीपूरी, दाल पकवान, इडली, डोसा, सांभर बड़ा, शुगर फ्री केक, बड़ी पापड़, जीरामन के काउंटर पर काफी भीड़ देखी गई। स्वरोजगार के अंतर्गत मेंहदी लगाना, कागज और कपड़ों से आकर्षक फूल गुलदस्ते तैयार करना, कागज पर मांडना आर्ट वर्क के माध्यम से पेंटिंग तैयार करना जैसी सामग्रियां इस स्वरोजगारोन्मुखी मेले का आकर्षण रही।

हरीभूमि भोपाल 9.8.2025

गौर कॉलेज के विद्यार्थियों ने समझा क्लाउड किचिन कॉन्सेप्ट

भोपाल। भेल क्षेत्र स्थित बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ द्वारा एक दिवसीय रोजगारोन्मुखी प्रदर्शनी सह कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालक डॉ. मथुरा प्रसाद, जनभागीदारी अध्यक्ष बारेलाल अहिरवार एवं प्राचार्य डॉ. संजय जैन द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया। प्रकोष्ठ संयोजक प्रो. प्रतिभा डेहरिया ने बताया कि इस अवसर पर खाद्य सामग्री, गृहसज्जा सामग्री,

कपड़े, साड़ियां, बैग, गृह उद्योग से संबंधित विभिन्न स्टॉल लगाए गए थे, जिसमें सर्वाधिक लोकप्रिय क्लाउड किचिन कॉन्सेप्ट रहा, जिसके अंतर्गत छात्र-छात्राओं ने जाना कि कैसे हम घर पर अच्छी खाद्य सामग्री बनाकर जोमेटो, स्वीगी आदि ऑनलाइन माध्यमों से ग्राहकों तक पहुंचा सकते है।

भोपाल, 09 अगस्त 2025
www.dainikjagranmpcg.com

संक्षिप्त खबरें

भेल कॉलेज के छात्रों ने क्लाउड किचिन कॉन्सेप्ट को समझा

भुट्टे के पकोड़े और पोटेटो ट्विस्टर रहे आकर्षण का केन्द्र

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। बाबूलाल गौर पीजी कालेज भेल में स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ द्वारा एक दिवसीय रोजगारोन्मुखी प्रदर्शनी सह कार्यशाला का शुभारंभ क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालक डॉ. मथुरा प्रसाद, जनभागीदारी अध्यक्ष बारेलाल अहिरवार और प्राचार्य डॉ. संजय जैन द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया। प्रकोष्ठ संयोजक प्रो. प्रतिभा डेहरिया ने बताया कि इस अवसर पर खाद्य सामग्री, गृहसज्जा सामग्री, कपड़े, साड़ियां, बैग, गृह उद्योग से संबंधित विभिन्न स्टॉल लगाये गये थे। इसमें सर्वाधिक लोकप्रिय क्लाउड किचिन कॉन्सेप्ट रहा। इसके तहत विद्यार्थियों ने जाना कि कैसे हम घर पर अच्छी खाद्य सामग्री बनाकर जोमेटो, स्वीगी आदि ऑनलाइन माध्यमों से ग्राहकों तक पहुंचा सकते है। इस अवसर पर भुट्टे के पकोड़े, पटेटो ट्विस्टर, साबूदाना बड़ा, पानीपूरी, दाल पकवान, इडली, डोसा, सांभर बड़ा, शुगर फ्री केक, बड़ी पापड़, जीरामन के काउंटर पर काफी भीड़ देखी गई। स्वरोजगार के तहत मेंहदी लगाना, कागज और कपड़ों से आकर्षक फूल गुलदस्ते तैयार करना, कागज पर मांडना आर्ट वर्क के माध्यम से पेंटिग तैयार करना जैसी सामग्रियां इस स्वरोजगारोन्मुखी मेले का आकर्षण रही। इस अवसर पर साड़ियां, बेडशीट, साड़ियों पर आर्टवर्क, कपड़े के थैले आदि के स्टॉल भी लगाये गये थे।

12.8.2025

विद्यार्थियों ने क्लाउड किचिन कॉन्सेप्ट को समझा

सीएनएन सेंट्रल न्यूज़ एंड नेटवर्क-आईटीडीसी इंडिया ईप्रेस /आईटीडीसी न्यूज़ । बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल भोपाल मे स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ द्वारा एक दिवसीय रोजगारोन्मुखी प्रदर्शनी सह कार्यशाला का शुभारंभ क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालक मथुरा प्रसाद, जनभागीदारी अध्यक्ष बारेलाल अहिरवार एवं प्राचार्य संजय जैन द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया।

प्रकोष्ठ संयोजक प्रतिभा डेहरिया ने बताया कि इस अवसर पर खाद्य सामग्री, गृहसज्जा सामग्री, कपड़े, साड़ियाँ, बैग, गृह उद्योग से संबंधित विभिन्न स्टॉल लगाये गये थे, जिसमें सर्वाधिक लोकप्रिय क्लाउड किचिन कॉन्सेप्ट रहा, जिसके अंतर्गत छात्र-छात्राओं ने जाना कि कैसे हम घर पर अच्छी खाद्य सामग्री बनाकर जोमेटो, स्वीगी आदि ऑनलाइन माध्यमों से ग्राहकों तक पहुँचा सकते है। इस अवसर पर भुट्टे के पकोड़े, पटेटो ट्विस्टर, साबूदाना बड़ा, पानीपूरी, दाल पकवान, इडली, डोसा, साँभर बड़ा, शुगर फ्री केक, बड़ी पापड़, जीरामन के काउंटर पर काफी भीड़ देखी गई।

स्वरोजगार के अंतर्गत मेंहदी लगाना, कागज और कपड़ों से आकर्षक फूल गुलदस्ते तैयार करना, कागज पर मांडना आर्ट वर्क के माध्यम से पेंटिग तैयार करना जैसी सामग्रियाँ इस स्वरोजगारोन्मुखी मेले का आकर्षण रही। इस अवसर पर साड़ियाँ, बेडशीट, साड़ियों पर आर्टवर्क, कपड़े के थैले आदि के स्टॉल भी लगाये गये थे।

महाविद्यालय में इस रोजगारोन्मुखी प्रदर्शनी सह कार्यशाला के अवसर पर उत्साह का वातावरण था तथा कई स्टॉल महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने स्वप्रेरणा से लगाये। इस उद्देश्यपूर्ण आयोजन में सहभागिता कर अतिथि डॉ. मथुरा प्रसाद एवं श्री बारेलाल अहिरवार जी ने महाविद्यालय परिवार को शुभकामनाएँ दी तथा भविष्य में इस तरह के और आयोजन करने हेतु प्रोत्साहित किया। प्राचार्य संजय जैन सभी स्टॉल लगाने वाले उद्यमियों एवं छात्र-छात्राओं को सहभागिता करने पर धन्यवाद दिया।

समाचार पत्रों से

हरिभूमि भोपाल 17.8.2025

एनसीसी परेड में भेल के कैडेट्स ने किया नेतृत्व

भोपाल। बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल की एनसीसी के सीपीएल आबिद खान ने स्वतंत्रता दिवस पर लाल परेड ग्राउंड पर राज्य स्तरीय परेड में एनसीसी कंटिंजेंट कमांडर के रूप में नेतृत्व किया। प्राचार्य डॉ. संजय जैन तथा एनसीसी आफीसर डॉ. वर्षा चौहान ने आबिद खान के उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

17.8.2025

आबिद खान ने राज्य स्तरीय परेड में एनसीसी कंटिंजेंट कमांडर के रूप में नेतृत्व किया

भोपाल, नोबल एक्सप्रेस

बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल भोपाल की एनसीसी के सीपीएल आबिद खान ने 79वे स्वतंत्रता दिवस पर लाल परेड ग्राउंड पर आयोजित राज्य स्तरीय परेड में एनसीसी कंटिंजेंट कमांडर के रूप में नेतृत्व किया .यह अवसर उनके कड़े अनुशासन, नेतृत्व , समर्पण तथा सच्चे देशभक्ति की भावना को दर्शाता है।

प्राचार्य डॉ. संजय जैन तथा एनसीसी आफीसर डा वर्षा चौहान ने आबिद खान के उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अन्य केडिटस को भी इस उपलब्धि से प्रेरणा लेना चाहिए।

भेल कॉलेज में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर विचार गोष्ठी

▶ विद्यार्थियों को विनम्रता सहनशीलता सीखना चाहिए

बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में गोष्ठी का आयोजन किया गया। जनभागीदारी अध्यक्ष बारेलाल अहिरवार ने कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा हमें पौराणिक व्यक्तित्व के माध्यम से जीवन जीने का नया मार्ग दिखाती है। प्राचार्य डॉ. संजय जैन ने श्रीकृष्ण के व्यक्तित्व की विविधता बताते हुए कहा कि हमे उनसे धैर्यवान बनने की शिक्षा ग्रहण करना चाहिए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भारत की समृद्ध सांस्कृतिक परम्परा के संवाहक व्यक्तित्वों पर चर्चा भी एक प्रकल्प है जिससे हम विद्यार्थियों को अपनी गौरवशाली संस्कृति और परंपराओं से

भजन गायन से किया मंत्रमुग्ध

रमाकांत तिवारी ने महाभारत की चर्चा करते हुए श्रीकृष्ण के विराट व्यक्तित्व को साकार कर दिया। शिवनारायण प्रजापति ने श्रीकृष्ण भक्ति पर आधारित भजन गायन से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। सुरक्षाकर्मी मनोहर लाल सोनी ने सुदामा और कृष्ण की मित्रता पर एक कविता वाचन किया। संचालन करते हुए प्रारंभ में डॉ. अनुपमा यादव ने श्रीकृष्ण के

शोध केंद्र सुविधा होगी उपलब्ध

भेल कॉलेज से अब प्रबंधन विषय में भी होगी पीएचडी

» कॉलेज में जनभागीदारी समिति बैठक में लिया महत्वपूर्ण निर्णय

» कॉलेज में अभी वाणिज्य और राजनीति विज्ञान विषय में हो रही पीएचडी, अब किया जा रहा विस्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल
19.8.2025

राजधानी स्थित बाबूलाल गौर शासकीय स्नात्कोत्तर महाविद्यालय में पूर्व मुख्यमंत्री स्व. बाबूलाल गौर की पुण्यतिथि मनाई जाएगी। इस अवसर पर पुष्पांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। सोमवार को कॉलेज में जनभागीदारी समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में महाविद्यालय के शोध केन्द्र पर प्रबंधन विषय से पीएचडी सुविधा तथा विद्यावन का विकास किए जाने जैसे निर्णय लिए गए हैं। बैठक की अध्यक्षता बारेलाल अहिरवार ने की।

अभी वाणिज्य, राजनीति विज्ञान में पीएचडी

कॉलेज के प्राचार्य एवं सचिव डा संजय जैन ने बताया कि 21 अगस्त को बाबूजी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि का कार्यक्रम तथा उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर चर्चा की जाएगी। कालेज में अभी वाणिज्य और राजनीति विज्ञान विषय में पीएचडी की सुविधा है। महाविद्यालय परिसर में विकसित किए जा रहे विद्यावन में फलदार वृक्ष भी लगाए जाएंगे। आयोजित बैठक में सदस्य डा. चारुलता राठौड़, डा.अंजना अग्रवाल, पक्ष खाम्बरा, करतार सिंह नागर, भेल प्रशासक प्रतिनिधि सहित कई सदस्य उपस्थित रहे।

19.8.2025

स्वदेश ज्योति

पूर्व मुख्यमंत्री स्व. बाबूलाल गौर की पुण्यतिथि पर कार्यशाला 21 को

भोपाल। बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल में पूर्व मुख्यमंत्री स्व. बाबूलाल गौर की पुण्यतिथि पर सेमीनार का आयोजन, महाविद्यालय के शोध केन्द्र पर प्रबंधन विषय से पीएचडी सुविधा तथा विद्यावन का विकास किये जाने जैसे निर्णय जनभागीदारी समिति की बैठक में बारेलाल अहिरवार की अध्यक्षता में लिए गये। कॉलेज के प्राचार्य एवं सचिव डॉ. संजय जैन ने बताया कि 21 अगस्त को बाबू जी के व्यक्तिव एवं कृतित्व पर सेमीनार आयोजित किया जाएगा। कॉलेज में अभी वाणिज्य और राजनीति विज्ञान विषय में पीएचडी की सुविधा है इसका विस्तार करते हुए अब प्रबंधन विषय में भी पीएचडी सुविधा उपलब्ध करवाई जाएगी। महाविद्यालय परिसर में विकसित किए जा रहे विद्यावन में फलदार वृक्ष भी लगाए जाएंगे।

▶नवभारत भोपाल एक नजर में 19.8.2025 ◀

जनभागीदारी समिति की बैठक में लिए कई निर्णय

भोपाल. बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल की जनभागीदारी समिति की बैठक हुई, जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री स्व. बाबूलाल गौर की पुण्यतिथि पर सेमीनार का आयोजन, महाविद्यालय के शोध केन्द्र पर प्रबंधन विषय से पीएचडी सुविधा तथा विद्यावन का विकास किये जाने जैसे निर्णय बारेलाल अहिरवार की अध्यक्षता में लिए गये. प्राचार्य एवं सचिव डा संजय जैन ने बताया कि 21 अगस्त को पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल गौर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर सेमीनार आयोजित किया जाएगा .कालेज में अभी वाणिज्य और राजनीति विज्ञान विषय में पीएचडी की उपाधि दी जाती है, अब प्रबंधन विषय में भी पीएचडी कराई जाएगी. महाविद्यालय परिसर में विकसित किए जा रहे विद्यावन में फलदार पौधे भी लगाए जाएंगे .बैठक में सदस्य तेजसिंह ठाकुर, संजय कुंवर, पक्ष खाम्बरा, करतारसिंह नागर ,भेल प्रशासक प्रतिनिधि सहित कई सदस्य उपस्थित रहे.

बाबूलाल गौर कॉलेज में सेमीनार का आयोजन

दैनिक राजधानी पावर 19.8.2025

भेल भोपाल। बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल में पूर्व मुख्यमंत्री स्व. बाबूलाल जी गौर की पुण्यतिथि पर सेमीनार का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के शोध केन्द्र पर प्रबंधन विषय से पीएचडी सुविधा तथा विद्यावन का विकास किये जाने जैसे निर्णय जनभागीदारी समिति की बैठक में बारेलाल अहिरवार की अध्यक्षता में लिए गए। प्राचार्य एवं सचिव डा संजय जैन ने बताया कि 21 अगस्त को बाबू जी के व्यक्त्वि एवं कृतित्व पर सेमीनार आयोजित किया जाएगा। कालेज मे अभी वाणिज्य और राजनीति विज्ञान विषय में पीएचडी की सुविधा है। इसका विस्तार करते हुए अब प्रबंधन विषय में भी पीएचडी सुविधा उपलब्ध करवाई जाएगी। महाविद्यालय परिसर में विकसित किए जा रहे विद्यावन में फलदार वृक्ष भी लगाए जाएगे। बैठक में सदस्य तेजसिंह ठाकुर, संजय कुंवर,पक्ष खाम्बरा,करतार सिंह नागर,भेल प्रशासक प्रतिनिधि सहित कई सदस्य उपस्थित रहे।

बाबूलाल गौर की पुण्यतिथि पर सेमीनार आयोजित

दैनिक प्रदेश वर्तमान 19.8.2025

भोपाल। बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल में पूर्व मुख्यमंत्री स्व. बाबूलाल जी गौर की पुण्यतिथि पर सेमीनार काआयोजन ,महाविद्यालय के शोध केन्द्र पर प्रबंधन विषय से पीएच डी सुविधा तथा विद्यावन का विकास किये जाने जैसे निर्णय जनभागीदारी समिति की बैठक में श्री बारेलाल अहिरवार की अध्यक्षता मे लिए गये. प्राचार्य एवं सचिव डा संजय जैन ने बताया कि 21अगस्त को बाबू जी के व्यक्त्वि एवं कृतित्व पर सेमीनार आयोजित किया जाएगा .कालेज मे अभी वाणिज्य और राजनीति विज्ञान विषय मे पीएच डी की सुविधा है इसका विस्तार करते हुए अब प्रबंधन विषय में भी पीएच डी सुविधा उपलब्ध करवाई जाएगी.महाविद्यालय परिसर में विकसित किए जा रहे विद्यावन मे फलदार वृक्ष भी लगाए जाएंगे .बैठक मे सदस्य श्री तेजसिंह ठाकुर, संजय कुंवर,पक्ष खाम्बरा, करतारसिंह नागर ,भेल प्रशासक प्रतिनिधि सहित कई सदस्य उपस्थित रहे.

राष्ट्रीय हिन्दी मेल

दिनांक- 19/08/2025 पृष्ठ क्रमांक- 1 संस्करण- भोपाल

चीन और साउथ अफ्रीका का नाम शामिल है।

पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल गौर की पुण्यतिथि पर सेमिनार 21 को

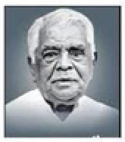

भोपाल। बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल में पूर्व मुख्यमंत्री स्व. बाबूलाल गौर की पुण्यतिथि पर 21 अगस्त को उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर सेमिनार आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर जनभागीदारी समिति की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक की अध्यक्षता बारेलाल अहिरवार ने की, जबकि प्राचार्य एवं सचिव डॉ. संजय जैन ने बताया कि महाविद्यालय के शोध केंद्र में अब वाणिज्य और राजनीति विज्ञान के साथ-साथ प्रबंधन विषय से भी पीएचडी की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। महाविद्यालय परिसर में विकसित किए जा रहे विद्यावन में फलदार वृक्ष लगाए जाने का भी निर्णय हुआ। बैठक में तेजसिंह ठाकुर, संजय कुंवर, पक्ष खाम्बरा, करतार सिंह नागर, भेल प्रशासक प्रतिनिधि सहित कई सदस्य उपस्थित रहे।

Date: 19/08/2025, Page: 1, City: Bhopal
Web: rashtriyahindimail.com

समाचार पत्रों से

स्वदेश ज्योति

भेल कॉलेज में विद्यार्थियों ने दी नाट्य संगीत पर प्रस्तुति

स्वदेश ज्योति संवाददाता, भोपाल

बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल भोपाल में मंगलवार को भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत उच्च शिक्षा विभाग के द्वारा निर्देशित गतिविधि त्रैमासिक कैलेंडर के अगस्त माह की विभिन्न विधाओं के अंतर्गत प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम यहां पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसका विषय विश्व शांति एवं सौहार्द रहा। इस विधा में 7 प्रतिभागियों ने सहभागिता की जिसमें प्रथम निकिता सिंह, द्वितीय खुशाली सरेयाम, तृतीय स्थान पर दीप्ति शुक्ला एवं प्राची विश्वकर्मा रही। तत्पश्चात व्याख्यान माला विद्या का आयोजन किया गया जिसका विषय वसुधैव कुटुंबकम की भारतीय अवधारणा पर केंद्रित था, जिसमें विद्यार्थी ने बढ़-चढ़कर भाग लिया जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में नरिंदर आनंद एवं श्वेता आनंद रहे। आयोजित प्रतियोगिताओं के क्रम में नाट्य/ नृत्य/ संगीत की प्रस्तुति विधा में 12 विद्यार्थियों ने भाग लिया एवं अपनी प्रस्तुति दी। इस विधा में प्रथम स्थान पर रश्मि राजपूत द्वितीय स्थान पर स्नेहा साहू एवं तृतीय स्थान पर निकिता सिंह रही। एवम नृत्य मे प्राची बागुल ने प्रथम स्थान प्राची विश्वकर्मा ने द्वितीय स्थान और स्नेहा साहू तृतीय स्थान प्राप्त किया द्य इन विधाओं में निर्णायक के रूप में डॉ सीमा श्रीवास्तव, डॉ. कीर्ति श्रीवास्तव, डॉ. इलारानी श्रीवास्तव, डॉ. गीता चौहान, श्रीमती शालिनी तिवारी रही। आयोजन समिति के सदस्यों में डॉ. अर्चना जैन, डॉ. प्रीति जौहरी, डॉ. मीता बादल, डॉ. सुषमा जादौन, डॉ. अनुपमा यादव, डॉ. संजय बाणकर, डॉ. कमलेश सिंह नेगी, डॉ. दीक्षा बर्डे रही। यह सभी गतिविधियां महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय जैन के नेतृत्व एवं डॉ.चारुलता राठौर के मार्गदर्शन में आयोजित की गई। कार्यक्रम संयोजक भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ.समता जैन के संयोजन में सभी प्रतियोगिताओं सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई।

Bhopal Main-Edition Edition
Aug 20, 2025 Page No. 4
Powered by: erelego.com

पत्रिका

भेल कॉलेज में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

पोस्टर प्रतियोगिता में निकिता, नाट्य में रश्मि, डांस में प्राची प्रथम

भोपाल. भेल कॉलेज में भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के अंतर्गत त्रैमासिक कैलेंडर की गतिविधियों का आयोजन हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत पोस्टर प्रतियोगिता से हुई, जिसका विषय विश्व शांति एवं सौहार्द रहा। इसमें निकिता सिंह ने प्रथम, खुशाली सरेयाम ने द्वितीय और दीप्ति शुक्ला व प्राची विश्वकर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके बाद वसुधैव कुटुंबकम विषय पर व्याख्यान माला आयोजित हुई, जिसमें नरिंदर आनंद और श्वेता आनंद मुख्य वक्ता रहे। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में 12 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। नाट्य व संगीत में रश्मि राजपूत प्रथम, स्नेहा साहू द्वितीय और निकिता सिंह तृतीय रहीं। नृत्य विधा में प्राची बागुल प्रथम, प्राची विश्वकर्मा द्वितीय और स्नेहा साहू तृतीय स्थान पर रहीं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. समता जैन ने किया। प्राचार्य डॉ. संजय जैन और डॉ. चारुलता राठौर के मार्गदर्शन में प्रतियोगिताएं सफलतापूर्वक संपन्न हुईं।

राष्ट्रीय हिन्दी मेल

दिनांक- 22/08/2025 पृष्ठ क्रमांक- 3 संस्करण- भोपाल प्रधान संपादक- विजय कुमार दास

बाबूलाल गौर की पुण्य तिथि पर
बाबूजी राजनीति के अपराजेय योध्दा रहे हैं

बाबूजी ने राजनीतिक क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित किया है

भोपाल। बाबूजी एक महान व्यक्तित्व थे तथा आम आदमी की उन तक पहुँच थी। वे समय के पाबंद थे, वे राजनीति के अपराजय योध्दा रहे है, उन्होंने राजनैतिक क्षेत्र मे नया कीर्तिमान स्थापित किया है, विद्यार्थियों को उनके जीवन से प्रेरणा लेना चाहिये। उपरोक्त उद्बोधन आज बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल भोपाल में "पूर्व मुख्यमंत्री स्व. बाबूलाल जी गौर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व" पर आधारित सेमीनार में उनके सहकर्मियों ने पुण्यतिथि पर श्रृद्धासुमन अर्पित करते अपने संस्मरण मे बताये। बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल भोपाल में पूर्व मुख्यमंत्री स्व. बाबूलाल जी गौर की पुण्यतिथि पर उनकी प्रतिमा के समक्ष जनभागीदारी समिति, महाविद्यालय परिवार एवं छात्र-छात्राओं ने पुष्पांजली तथा श्रृध्दासुमन अर्पित किये। इस अवसर पर आयोजित सेमीनार मे मुख्य अतिथि के रूप में जनभागीदारी अध्यक्ष बारेलाल अहिरवार ने कहा कि बाबूजी एक महान व्यक्तित्व के धनी थे। वे जीवनभर आम आदमी से जुड़े रहे। आम आदमी की उन तक सहज की पहुँच रही। वे हमेशा समय के पाबंद रहते थे, यह उनकी सफलता और समर्पण का मूलमंत्र है, वे राजनीति के अपराजय योध्दा रहे है। वे सदैव स्मरणीय रहेंगे। विद्यार्थियों को उनसे प्रेरणा लेना चाहिये। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. संजय जैन ने कहा कि बाबूजी विशाल व्यक्तित्व के धनी थे। उनका कृतित्व सदैव प्रेरणास्पद रहा है। इस महाविद्यालय का विकास एक अनुपम उदाहरण है। महाविद्यालय में बाबूलाल गौर शोध समन्वय प्रकोष्ठ उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर शोधात्मक अध्ययन के लिये प्रयत्नशील है। उन्होंने एक ही विधानसभा क्षेत्र से 10 बार विजय प्राप्त कर राजनीतिक क्षेत्र मे नया कीर्तिमान स्थापित किया। इस अवसर पर उनके सहयोगी टी.आर. मिश्रा तथा महाविद्यालय परिवार के रमाकांत तिवारी तथा छात्र-छात्राओं ने अपने विचार व्यक्त करते हुए श्रध्दासुमन अर्पित किये। कार्यक्रम का संचालन राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. अनुपमा यादव ने किया एवं संयोजन डॉ. शीला कुमार ने तथा आभार डॉ. अर्चना गौर ने व्यक्त किया। इस अवसर पर जनभागीदारी समिति सदस्य तेज सिंह ठाकुर, खिलान सिंह,करतार सिंह नागर, दर्शन सेन, संजय कुँवर सहित कई जनप्रतिनिधि तथा स्थानीय नागरिक तथा छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

Date: 22/08/2025, Page: 3, City: Bhopal
Web: rashtriyahindimail.com
राष्ट्रीय हिन्दी मेल

भेल कॉलेज में पूर्व सीएम गौर को किया याद

भोपाल, 21 अगस्त. बाबूजी एक महान व्यक्तित्व थे तथा आम आदमी की उन तक पहुँच थी. वे समय के पाबंद थे, वे राजनीति के अपराजय योद्धा रहे है, उन्होंने राजनीतिक क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित किया है, विद्यार्थियों को उनके जीवन से प्रेरणा लेना चाहिये . उपरोक्त उद्बोधन गुरुवार को बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल भोपाल में पूर्व मुख्यमंत्री स्व. बाबूलाल गौर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर आधारित सेमिनार में उनके सहकर्मियों ने पुण्यतिथि पर श्रद्धासुमन अर्पित करते अपने संस्मरण में सुनाए. इस मौके पर कॉलेज परिसर में स्थित उनकी प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए. सेमिनार में मुख्य अतिथि जनभागीदारी अध्यक्ष बारेलाल अहिरवार ने कहा कि बाबूजी एक महान व्यक्तित्व के धनी थे . वे जीवनभर आम आदमी से जुड़े रहे . विद्यार्थियों को उनसे प्रेरणा लेना चाहिये. महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. संजय जैन ने कहा कि बाबूजी विशाल व्यक्तित्व के धनी थे. नवभारत 22.8.2025

ikshamtak@gmail.com भोपाल 21 अगस्त 2025 8

शाम तक, भोपाल। पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल गौर की पुण्यतिथि पर भेल स्थित शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में उनकी प्रतिमा के समक्ष जनभागीदारी समिति, महाविद्यालय परिवार एवं छात्र-छात्राओं ने पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया।

राजनीति के अपराजेय योद्धा रहे हैं बाबूजी

गुरुवार को बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल में पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल गौर की पुण्यतिथि मनाई गई। सेमीनार में मुख्य अतिथि के रूप में जनभागीदारी अध्यक्ष बारेलाल अहिरवार ने कहा कि बाबूजी एक महान व्यक्तित्व के धनी थे। आम आदमी की उन तक सहज ही पहुंच रही।

दैनिक प्रदेश वर्तमान

बाबूजी राजनीति के अपराजेय योध्दा रहे हैं

» बाबूजी ने राजनीतिक क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित किया है

राष्ट्रीय 22.8.2025 पृष्ठ 08 इंटीग्रेटेड ट्रेड

पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल गौर की पुण्यतिथि पर महाविद्यालय में श्रद्धांजलि समारोह

22.8.2025

पूर्व मुख्यमंत्री स्व. बाबूलाल गौर की पुण्यतिथि पर सेमीनार आयोजित।

पूर्व सीएम बाबूलाल गौर को दी श्रद्धांजलि

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री कृष्णा गौर के 74 बंगला स्थित निवास पहुंचकर पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल गौर को पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। सीएम ने स्वर्गीय गौर को विकास के लिए सभी दिशाओं में काम करने वाला नेता बताया। सीएम ने कहा कि उन्होंने श्रमिक, गरीब व कमजोर वर्ग के लिए आवाज उठाई और संघर्ष किया। उनकी अनुशासित और समयबद्ध जीवनशैली तथा जनसामान्य से जीवंत सम्पर्क और जनता के रोजमर्रा के विषयों के प्रति संवेदनशीलता ने उन्हें अजेय जनप्रतिनिधि बनाया। वहीं बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि जनभागीदारी अध्यक्ष बारेलाल अहिरवार ने कहा कि बाबूजी राजनीति के अपराजेय योद्धा थे।

23.8.2025

पूर्व सीएम की पुण्यतिथि पर सुनाए उनके संस्मरण

भेल @ पत्रिका. भेल क्षेत्र के बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में पूर्व मुख्यमंत्री स्व. बाबूलाल गौर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर आधारित सेमीनार का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में उनके सहकर्मियों ने पुण्यतिथि पर श्रृद्धासुमन अर्पित करते हुए अपने संस्मरण बताये। प्राचार्य डॉ. संजय जैन, टीआर मिश्रा, महाविद्यालय परिवार के रमाकांत तिवारी तथा छात्र-छात्राओं ने अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. अनुपमा यादव ने किया एवं संयोजन डॉ. शीला कुमार ने तथा आभार डॉ. अर्चना गौर ने व्यक्त किया।

समाचार पत्रों से

स्वदेश ज्योति

सामाजिक न्याय, आत्म सम्मान और स्वतंत्रता के लिए संघर्ष से बाबा साहब महामानव बने: श्रीवास्तव

■ भेल कॉलेज में रमेश पतंगे की कृत संघर्ष महामानव पुस्तक पर परिचर्चा का आयोजन

स्वदेश ज्योति संवाददाता, भोपाल

बाबा साहब ने सामाजिक न्याय, आत्मसम्मान एवं स्वतंत्रता के लिये निरंतर संघर्ष किया। उनका चिंतन, जीवनदर्शन और संघर्ष उन्हें महामानव बनाता है उनका जन्म संभवतः भारत के पुर्नजागरण के लिए ही हुआ था। उक्त उदगार बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल भोपाल में प्रज्ञा विमर्श न्यास द्वारा प्रायोजित तथा भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित रमेश पतंगे कृत संघर्ष महामानव का पुस्तक परिचर्चा मे व्यक्त किये गये। बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल, भोपाल मे प्रज्ञा विमर्श न्यास द्वारा रमेश पतंगे की पुस्तक संघर्ष महामानव का पर परिचर्चा भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित की गई। इस अवसर पर सेवानिवृत्त आईएएस अजातशत्रु श्रीवास्तव ने कहा कि बाबा साहब ने सामाजिक न्याय, आत्मसम्मान और स्वतंत्रता के लिये निरंतर संघर्ष किया इसलिये वे महामानव कहलाये। वर्तमान परिदृश्य मे हमें पुस्तकों की ओर लौटना आवश्यक है, प्रत्येक कालेज मे पुस्तक चर्चा क्लब की आवश्यकता पर बल दिया इससे सामाजिक मुद्दों पर उद्देश्यपूर्ण विचार विमर्श युवाओं द्वारा किया जा सकेगा। इस अवसर पर पुस्तक की समीक्षा करते हुए क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालक डॉ. मथुरा प्रसाद ने कहा कि बाबा साहब का जन्म संभवतः भारत के लिये पुनर्जागरण के लिये ही हुआ था। इस अवसर पर डॉ. अशोक शर्मा विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी ने कहा कि बाबा साहब के संघर्ष के पीछे उनकी पत्नि के योगदान को नहीं भुलाया जा सकता। हमें उनके परिवार के प्रति भी कृतज्ञ होना चाहिये। प्राचार्य डॉ. संजय जैन ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि इस तरह की पुस्तक परिचर्चा से शिक्षकों और विद्यार्थियों की बौध्दिक क्षमता का विकास होता है। महाविद्यालय मे स्वरचित साहित्य मंच ने भी पुस्तक पर चर्चा की जाती है। भविष्य में प्रज्ञा भारती के सहयोग से यह आयोजन और प्रभावशाली ढंग से किया जायेगा। इस अवसर पर प्रज्ञा प्रवाह से अभिषेक शर्मा, सुश्री सविता भदौरिया, भूपेन्द्र जाटव और रीतेश शर्मा उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. समता जैन ने किया तथा आभार भूपेन्द्र जाटव ने आभार व्यक्त किया।

24.8.2025 भोपाल

बाबा साहेब के विचार आज भी प्रासंगिक

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

बाबा साहेब डॉ. आंबेडकर के जीवन का सार तीन महत्वपूर्ण मूल्यों में निहित है सामाजिक न्याय, आत्मसम्मान और स्वतंत्रता। ये प्रत्येक व्यक्ति के जीवन के लिए अनिवार्य हैं। यह बात सेवानिवृत्त आईएएस अजातशत्रु श्रीवास्तव ने संघर्ष महामानव (लेखकः रमेश पतंगे) पुस्तक पर आयोजित परिचर्चा में कही। यह कार्यक्रम भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ बाबूलाल गौर शासकीय महाविद्यालय, भेल एवं प्रज्ञा प्रवाह मध्यप्रांत द्वारा आयोजित किया गया। श्रीवास्तव ने कहा कि बाबा साहेब के निधन को 70 वर्ष से अधिक हो गए हैं, किंतु उनकी विचारधारा आज भी उतनी ही प्रासंगिक और प्रेरणादायक है। उनके जीवन से हमें तीन प्रमुख सीख मिलती हैं संघर्ष, सम्यक शिक्षा और सामाजिक दृष्टिकोण। यदि हम बेहतर इंसान बनना चाहते है तो इन तीनों को अपनाना आवश्यक है। प्रो. अशोक शर्मा ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर के जीवन में उनकी पत्नी एवं महिला शक्ति की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही। सामाजिक, राजनीतिक और शैक्षणिक संघर्षों के कठिन दौर में उन्होंने न केवल जीवनसंगिनी के रूप में, बल्कि प्रेरणास्रोत के रूप में भी उनका सहयोग किया।

बाबा साहेब ने महत्वपूर्ण कार्य किए: प्रसाद

उच्च शिक्षा विभाग के अतिरिक्त संचालक मथुरा प्रसाद ने अपने वक्तव्य में कहा कि दलित समाज की पिछड़ी स्थिति के लिए केवल सामाजिक परंपराएं ही नहीं, बल्कि मुगलों और अंग्रेजों की नीतियां भी जिम्मेदार थी। उन्होंने बताया कि बाबा साहेब के पिता ने उन्हें धर्म, संस्कृति और संस्कार की शिक्षा दी थी। बाबा साहेब ने राजनीतिक और सामाजिक अधिकारिता के लिए महत्वपूर्ण कार्य किए। उन्होंने कहा कि अंग्रेजों ने भारतीय अर्थव्यवस्था को तोड़कर भारतीय संसाधनों का शोषण किया और ब्रिटेन को समृद्ध बनाया। बाबा साहेब का आर्थिक चिंतन आज भी प्रासंगिक है।

24.8.2025

'आत्मसम्मान, न्याय और स्वतंत्रता ही डा आंबेडकर के जीवन का सार'

नवदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः बाबा साहब आंबेडकर के जीवन का सार तीन महत्वपूर्ण मूल्यों में निहित है सामाजिक न्याय, आत्मसम्मान और स्वतंत्रता। ये प्रत्येक व्यक्ति के जीवन के लिए अनिवार्य है। यह बात सेवानिवृत्त आइएएस अजातशत्रु श्रीवास्तव ने संघर्ष महामानव (लेखक रमेश पतंगे) पुस्तक पर आयोजित परिचर्चा में कही। यह कार्यक्रम भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ बाबूलाल गौर शासकीय महाविद्यालय, भेल एवं प्रज्ञा प्रवाह मध्यप्रांत द्वारा आयोजित किया गया। श्रीवास्तव ने कहा कि बाबा साहब के निधन को 70 वर्ष से अधिक हो गए हैं, किंतु विचारधारा आज भी उतनी ही प्रासंगिक है। उनके जीवन से संघर्ष, सम्यक शिक्षा और सामाजिक दृष्टिकोण की सीख मिलती है।

सामाजिक न्याय, आत्मसम्मान और स्वतंत्रता ही बाबा साहेब अंबेडकर के जीवन का सार : सेवानिवृत्त आईएएस श्री अजातशत्रु श्रीवास्तव

24.8.2025

भोपाल(दैनिकविश्वदीर्घा)। भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ बाबूलाल गौर शासकीय महाविद्यालय, भेल एवं प्रज्ञा प्रवाह मध्यप्रांत द्वारा आयोजित हुई। बाबासाहेब अंबेडकर के जीवन का सार तीन महत्वपूर्ण मूल्यों में निहित है सामाजिक न्याय, आत्मसम्मान और स्वतंत्रता। ये प्रत्येक व्यक्ति के जीवन के लिए अनिवार्य हैं। यह बात सेवानिवृत्त आईएएस श्री अजातशत्रु श्रीवास्तव ने संघर्ष महामानव (लेखक- श्री रमेश पतंगे) पुस्तक पर आयोजित परिचर्चा में कही। श्री श्रीवास्तव ने कहा कि बाबा साहेब के निधन को 70 वर्ष से अधिक हो गए हैं, किंतु उनकी विचारधारा आज भी उतनी ही प्रासंगिक और प्रेरणादायक है। उनके जीवन से हमें तीन प्रमुख सीख मिलती है संघर्ष, सम्यक शिक्षा और सामाजिक दृष्टिकोण। यदि हम बेहतर इंसान बनना चाहते हैं तो इन तीनों को अपनाना आवश्यक है। श्री मथुरा प्रसाद जी (अतिरिक्त संचालक, उच्च शिक्षा विभाग) ने अपने वक्तव्य में कहा कि दलित समाज की पिछड़ी स्थिति के लिए केवल सामाजिक परंपराएं ही नहीं, बल्कि मुगलों और अंग्रेजों की नीतियां भी जिम्मेदार थीं। बाबा साहेब ने राजनीतिक और सामाजिक अधिकारिता के लिए महत्वपूर्ण कार्य किए। बाबा साहेब का आर्थिक चिंतन आज भी प्रासंगिक है। प्रोफेसर अशोक शर्मा ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर के जीवन में उनकी पत्नी एवं महिला शक्ति की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य श्री संजय जैन, भोपाल विभाग संयोजक श्री भूपेंद्र सिंह जाटव, प्रज्ञा प्रवाह की प्रांत कार्यकारिणी सदस्य श्री रीतेश शर्मा, डॉ. सविता भदौरिया, श्री अभिषेक शर्मा (युवा आयाम प्रमुख) सहित महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

परिचर्चा ▸ संघर्ष महामानव पुस्तक पर परिचर्चा में बोले अजातशत्रु, शर्मा और मथुरा

सामाजिक न्याय, स्वतंत्रता ही अंबेडकर के जीवन का सार

भोपाल, 23 अगस्त. बाबा साहेब अंबेडकर के जीवन का सार तीन महत्वपूर्ण मूल्यों में निहित है सामाजिक न्याय, आत्मसम्मान और स्वतंत्रता. ये प्रत्येक व्यक्ति के जीवन के लिए अनिवार्य हैं.

यह बात सेवानिवृत्त आईएएस अजातशत्रु श्रीवास्तव ने लेखक रमेश पतंगे द्वारा लिखित 'संघर्ष महामानव' पुस्तक पर आयोजित परिचर्चा में कही. यह कार्यक्रम भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ बाबूलाल गौर शासकीय महाविद्यालय, भेल एवं प्रज्ञा प्रवाह मध्यप्रांत द्वारा आयोजित किया गया. श्रीवास्तव ने कहा कि बाबा साहेब के निधन को 70 वर्ष से अधिक हो गए हैं, लेकिन उनकी विचारधारा आज भी उतनी ही प्रासंगिक और प्रेरणादायक है. उनके जीवन से हमें तीन प्रमुख सीख मिलती हैं संघर्ष, सम्यक शिक्षा और सामाजिक दृष्टिकोण. यदि हम बेहतर इंसान बनना चाहते हैं तो इन तीनों को अपनाना आवश्यक है.

प्रोफेसर अशोक शर्मा ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर के जीवन में उनकी पत्नी एवं महिला शक्ति की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही.

डॉ. अंबेडकर के संघर्षपूर्ण जीवन में उनकी पत्नी रमाबाई अंबेडकर ने हर परिस्थिति में उनका साथ दिया. सामाजिक, राजनीतिक और शैक्षणिक संघर्षों के कठिन दौर में उन्होंने न केवल जीवनसंगिनी के रूप में, बल्कि प्रेरणास्रोत के रूप में भी उनका सहयोग किया. प्रो. शर्मा ने कहा कि महिला शक्ति का योगदान केवल पारिवारिक जीवन तक सीमित नहीं था, बल्कि डॉ. अंबेडकर के विचारों और कार्यों को बल देने में भी महत्वपूर्ण रहा.

अंग्रेजों ने भारतीय अर्थव्यवस्था को तोड़ा : मथुरा प्रसाद

उच्च शिक्षा विभाग के अतिरिक्त संचालक मथुरा प्रसाद ने कहा कि दलित समाज की पिछड़ी स्थिति के लिए केवल सामाजिक परंपराएं ही नहीं, बल्कि मुगलों और अंग्रेजों की नीतियां भी जिम्मेदार थी. उन्होंने बताया कि बाबा साहेब के पिता ने उन्हें धर्म, संस्कृति और संस्कार की शिक्षा दी थी. बाबा साहेब ने राजनीतिक और सामाजिक अधिकारिता के लिए महत्वपूर्ण कार्य किए. उन्होंने कहा कि अंग्रेजों ने भारतीय अर्थव्यवस्था को तोड़कर भारतीय संसाधनों का शोषण किया और ब्रिटेन को समृद्ध बनाया. बाबा साहेब का आर्थिक चिंतन आज भी प्रासंगिक है.

बाबूलाल गौर शासकीय पीजी कालेज में अनाधिकृत लोगों को नहीं मिलेगा प्रवेश

बिना यूनिफर्म के कॉलेज परिसर में नहीं दी गई इंट्री

दीनबन्धु, भोपाल।
dinbandhunews.com

बाबूलाल गौर शासकीय पीजी कालेज भेल परिसर में अनाधिकृत लोगों का प्रवेश रोकने के लिए महाविद्यालय प्रशासन ने शुक्रवार को सख्त रूख अख्तियार कर लिया। प्राचार्य के सख्त निर्देश पर बगैर यूनिफार्म एवं परिचय पत्र के आए विद्यार्थियों को महाविद्यालय में प्रवेश नहीं दिया गया। इसके साथ ही परिसर में आने वाले प्रत्येक छात्र-छात्राओं का विवरण आगन्तुक रजिस्ट्रर में दर्ज किया गया। प्राचार्य डॉ संजय जैन ने बताया कि विद्यार्थियों से प्राप्त फीडबैक के आधार पर ही ड्रेस कोड लागू किया गया है 22 अगस्त 2025 से कोई भी नियमित विद्यार्थी महाविद्यालय में बिना यूनिफार्म के एंट्री नहीं ले पाएगा इससे अवांछित छात्र छात्राएं महाविद्यालय मे नही आ सकेंगी जिससे महाविद्यालय का शैक्षणिक वातावरण बना रहेगा. विद्यार्थियों को यूनिफार्म मे आने हेतु 1 जुलाई से बोला जा रहा है, परंतु बहुत से विद्यार्थियों ने इसे गंभीरता से नहीं लिया जबकि प्रवेश प्रक्रिया के आरम्भ से ही यूनिफॉर्म के लिए छात्र-छात्राओं को इसकी सूचना दे दी गई थी यह मुहिम जारी रहेगी, जब तक कि सभी यूनिफार्म में आना प्रारंभ नहीं करेंगे। कई अभिभावको ने इस मुहिम पर प्रसन्नता व्यक्त की है।

स्वदेश ज्योति

बिना यूनिफार्म पहने कॉलेज पहुंचे विद्यार्थियों को नहीं मिला प्रवेश

भोपाल। बाबूलाल गौर शासकीय पीजी कालेज भेल परिसर में अनाधिकृत लोगों का प्रवेश रोकने के लिए महाविद्यालय प्रशासन ने शुक्रवार को सख्त रूख अख्तियार कर लिया। प्राचार्य डॉ. संजय जैन के सख्त निर्देश पर बगैर यूनिफार्म एवं परिचय पत्र के आए विद्यार्थियों को महाविद्यालय में प्रवेश नहीं दिया गया। इसके साथ ही परिसर में आने वाले प्रत्येक छात्र-छात्राओं का विवरण आगन्तुक रजिस्ट्रर में दर्ज किया गया। प्राचार्य डॉ संजय जैन ने बताया कि विद्यार्थियों से प्राप्त फीडबैक के आधार पर ही ड्रेस कोड लागू किया गया है। शुक्रवार से कोई भी नियमित विद्यार्थी महाविद्यालय में बिना यूनिफार्म के एंट्री नहीं ले पाएगा इससे अवांछित छात्र-छात्राएं महाविद्यालय मे नहीं आ सकेंगे जिससे महाविद्यालय का शैक्षणिक वातावरण बना रहेगा, विद्यार्थियों को यूनिफार्म में आने के लिए सत्र आरंभ होने के समय एक जुलाई से बोला जा रहा है।

दैनिक भास्कर भोपाल 23.8.2

भेल कॉलेज : बिना यूनिफार्म के परिसर में नहीं दी एंट्री

भोपाल | राजधानी के बाबूलाल गौर कॉलेज (भेल कॉलेज) में बिना यूनिफॉर्म के विद्यार्थियों के प्रवेश पर रोक लगा दी गई है। अनधिकृत प्रवेश रोकने के लिए यह फैसला लिया गया है। प्राचार्य डॉ. संजय जैन ने बताया कि कई बार बाहरी युवा प्रवेश कर लेते थे, जिसके संबंध में विद्यार्थियों ने कॉलेज प्रबंधन से शिकायत की थी। इसके तहत अनधिकृत लोगों का प्रवेश रोकने के लिए कॉलेज प्रशासन ने शुक्रवार को सख्त रुख अपनाया। विद्यार्थियों से प्राप्त फीडबैक के आधार पर ही ड्रेस कोड लागू किया गया है। अब कोई भी नियमित विद्यार्थी महाविद्यालय में बिना यूनिफॉर्म के प्रवेश नहीं कर सकेगा। विद्यार्थियों को यूनिफॉर्म में आने के लिए 1 जुलाई से ही कहा जा रहा है, परंतु कई विद्यार्थियों ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। डॉ. जैन ने बताया कि यह मुहिम जारी रहेगी।

दैनिक प्रदेश वर्तमान

राष्ट्रीय सेवा योजना सलाहकार समिति की बैठक आयोजित

माटी गणेश सृजन हेतु कार्यशाला का आयोजन किया

दैनिक राजधानी पावर भोपाल 26.8.2025

राष्ट्रीय सेवा योजना सलाहकार समिति की बैठक संपन्न

दैनिक राजधानी पॉवर, भोपाल/भेल

बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल भोपाल रासेयो सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गई। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ .संजय जैन द्वारा अतिथियों को नव पल्लवित पौधे देकर सम्मानित किया गया। डॉ समता जैन बालक इकाई अधिकारी डॉ गीता चौहान बालिका इकाई अधिकारी डॉ कमलेश सिंह नेगी बालक इकाई अधिकारी ने अपनी सहभागिता दी।

रासेयो के स्वयंसेवकों को अधिक से अधिक एक्टिविटी से जोड़ना है। जॉइन एनएसएस के माध्यम से रासेयो इकाई का विस्तार करना है। परिसर विकास के अंतर्गत महाविद्यालय के किसी एक कोने को गोद लेकर उसका विकास करना है। हर गतिविधियों को उसे कॉर्नर से जोड़ें। वर्ष में तीन ओरिएंटेशन करना है। पहले कार्यक्रम अधिकारी के साथ दूसरी एवं तीसरी कार्यक्रम अधिकारी महाविद्यालय की पारिस्थितिक अनुकूल चयन करें। प्राचार्य ने कहा है कि रासेयो से प्रत्येक स्वयंसेवक को महाविद्यालय के कार्यक्रमों में अपनी सहभागिता करनी चाहिए ताकि कार्यक्रम के माध्यम से ज्ञान और लाभ स्वयं सेवकों को मिल सके।

राहुल सिंह परिहार सर मुक्त इकाई कार्यक्रम अधिकारी कहा है कि एक माह में कम से कम दो गतिविधियां जरूर करें। उस कार्यक्रम में प्रत्येक स्वयंसेवक की सहभागिता हो। महाविद्यालय की इकाई को रासेयो की स्वयंसेवकों को बी प्रमाण पत्र की परीक्षा को संपन्न कराना है। ब्लड डोनेशन का कार्यक्रम भी जरूर करें।

डॉ आनंद सक्सेना राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम समन्वय अधिकारी बरकतउल्ला विश्वविद्यालय भोपाल ने कहा है की भेल महाविद्यालय के स्वयं सेवकों को आगे बढ़ाने के अपार अवसर हैं। यहां पर प्रशिक्षित कार्यक्रम अधिकारियों की टीम उपलब्ध है। रेड रिबन क्लब और चाइल्ड प्रोटेक्ट क्लब के माध्यम से भी कई कार्यक्रम किए जा रहे हैं। इन दोनों उच्च शिक्षा विभाग से एमओयू है। नशा मुक्ति के कार्यक्रम करना चाहिए। भोपाल को रासेयो के माध्यम से नशा मुक्त बनाना है। यातायात सुरक्षा के लिए भी कार्यक्रम संपन्न करना है। सहयोग सेवा के लिए रासेयो के स्वयंसेवकों को तत्पर रहना चाहिए। माय भारत एप पर पंजीयन जरूर कराएं नया नेतृत्व भेल कॉलेज से उभर कर सामने आएगा। महाविद्यालय के पूर्व कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सीमा श्रीवास्तव, डॉ.अंजना अग्रवाल, प्रीति जौहरी और डॉ. अर्चना गौर भी उपस्थित रहीं।

पत्रिका 26.8.2025

रासेयो सलाहकार समिति की बैठक संपन्न

भेल. बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल भोपाल में रासेयो सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गई। सर्वप्रथम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय जैन द्वारा अतिथियों को नव पल्लवित पौधे देकर सम्मानित किया गया। डॉ. समता जैन, बालक इकाई अधिकारी डॉ. गीता चौहान बालिका इकाई अधिकारी डॉ. कमलेश सिंह नेगी बालक इकाई अधिकारी शामिल हुए। मुक्त इकाई कार्यक्रम अधिकारी राहुल सिंह परिहार कहा कि एक माह में कम से कम दो गतिविधियां जरूर करें। उस कार्यक्रम में प्रत्येक स्वयंसेवक की सहभागिता हो। महाविद्यालय की इकाई को रासेयो की स्वयंसेवको को बी प्रमाण पत्र की परीक्षा को संपन्न कराना है ब्लड डोनेशन का कार्यक्रम भी जरूर करें। इससे स्वयंसेवकों को मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

नवदुनिया भोपाल 26.8.2025

विद्यार्थियों ने भेल कालेज में मिट्टी से दिया गणेश प्रतिमा को आकार

नप्र, भोपालः बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय (भेल कालेज) में मिट्टी के गणेश की प्रतिमा बनाने के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला महाविद्यालय की ऊर्जा एवं पर्यावरण संरक्षण, सर्वेक्षण एवं जागरूकता समिति द्वारा आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के विद्यार्थियों और प्राध्यापकों ने मिट्टी की गणेश प्रतिमाएं बनाने में गहरी रुचि दिखाई। कार्यक्रम की संयोजक डा. कीर्ति श्रीवास्तव ने बताया कि इस प्रकार के आयोजनों से विद्यार्थी पर्यावरण प्रदूषण के प्रति जागरूक होते हैं और अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए दूसरों को भी प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा कि यह कार्यशाला विद्यार्थियों को न केवल कला में निपुण बनाती है, बल्कि उन्हें पर्यावरण के प्रति संवेदनशील भी बनाती है। कार्यक्रम में प्राचार्य डा. संजय जैन ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों के समग्र विकास में सहायक होते हैं। कार्यशाला में महाविद्यालय के प्राध्यापक डा. अर्चना जैन, डा. वर्षा चौहान, डा. शीला कुमार, डा. मीता बादल, आरती पटेल आदि भी उपस्थित रहे।

समाचार पत्रों से

भेल कॉलेज में मिट्टी के गणेश प्रतिमा निर्माण पर वर्कशॉप

26.8.2025

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी स्थित बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल में प्रकृति और पर्यावरण के संरक्षण पर केंद्रित माटी गणेश, सिद्ध गणेश अभियान के तहत महाविद्यालय की ऊर्जा एवं पर्यावरण संरक्षण, सर्वेक्षण एवं जागरुकता समिति द्वारा मिट्टी की गणेश प्रतिमा निर्माण के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें महाविद्यालय के विद्यार्थियों और प्राध्यापकों ने मिट्टी की गणेश प्रतिमाएं बनाकर सहभागिता की। कार्यक्रम की संयोजक डॉक्टर कीर्ति श्रीवास्तव ने बताया कि इस तरह के आयोजनों से विद्यार्थी पर्यावरण प्रदूषण के प्रति जागरूक होते हैं एवं अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए दूसरों को भी प्रेरित करते हैं। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ संजय जैन ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यशाला में महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ अर्चना जैन, डॉ वर्षा चौहान, डॉ शीला कुमार, डॉ मीता बादल, आरती पटेल आदि प्राध्यापक उपस्थित रहे।

स्वदेश ज्योति

भेल महाविद्यालय में माटी गणेश सृजन के लिए कार्यशाला आयोजित

स्वदेश ज्योति संवाददाता, भोपाल

बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बीएचईएल, भोपाल में प्रकृति और पर्यावरण के संरक्षण की संकल्पना पर केंद्रित माटी गणेश सिद्ध गणेश अभियान के अंतर्गत महाविद्यालय की ऊर्जा एवं पर्यावरण संरक्षण, सर्वेक्षण एवं जागरूकता समिति द्वारा *माटी गणेश सृजन के लिए, एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें महाविद्यालय के विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों ने मिट्टी के गणेश जी बनाकर सहभागिता की। कार्यक्रम की संयोजक डॉक्टर कीर्ति श्रीवास्तव ने बताया कि इस तरह के आयोजनों से विद्यार्थी पर्यावरण प्रदूषण के प्रति जागरूक होते हैं एवं अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए दूसरों को भी प्रेरित करते हैं। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ संजय जैन ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यशाला में महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. अर्चना जैन, डॉ. वर्षा चौहान, डॉ. शीला कुमार, डॉ. मीता बादल, श्रीमती आरती पटेल आदि प्राध्यापक उपस्थित रहे।

भेल कॉलेज में कवि-गोष्ठी

विद्यार्थी, शिक्षक और कर्मचारी बने कवि

भोपाल। राजधानी स्थित स्वरचित साहित्य मंच और हिंदी विभाग के संयुक्त प्रयास से बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल में कवि गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यार्थी, शिक्षक और कर्मचारी ने कविताएं पढ़ीं। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.संजय जैन ने इस आयोजन को साहित्य क्लब की विशेष उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि स्वरचित साहित्य मंच का यह कार्यक्रम नवाचार की दिशा में मील का पत्थर है। आकाश हमारा है, परचम लहराना है और कुछ कही कुछ अनकही जैसी साहित्यिक थीम पर विद्यार्थियों ने कविता का अनूठा संसार रचा। प्राची विश्वकर्मा ने अपनी कविता सुनाकर सबको भावुक कर दिया। कविता यादव ने यदि मैं किताब होती शीर्षक से गहरी बात कही। त्रिवेणी, सीता रजक, ज़ोया, तुषार और रश्मि अहिरवार ने भी कविगोष्ठी को आगे बढ़ाया। महाविद्यालय के रमाकांत तिवारी ने जाग उठा अब देश हमारा शीर्षक से सभागार में देशभक्ति का रंग भर दिया।

दैनिक राजधानी पावर भोपाल 26.8.2025

माटी गणेश सृजन हेतु कार्यशाला का आयोजन

दैनिक राजधानी पॉवर, भोपाल/भेल

बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बीएचईएल भोपाल में प्रकृति और पर्यावरण के संरक्षण की संकल्पना पर केंद्रित माटी गणेश सिद्ध गणेश अभियान के अंतर्गत महाविद्यालय की ऊर्जा एवं पर्यावरण संरक्षण, सर्वेक्षण एवं जागरूकता समिति द्वारा माटी गणेश सृजन हेतु एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें महाविद्यालय के विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों ने मिट्टी के गणेश जी बनाकर सहभागिता की। कार्यक्रम की संयोजक डॉक्टर कीर्ति श्रीवास्तव ने बताया कि इस तरह के आयोजनों से विद्यार्थी पर्यावरण प्रदूषण के प्रति जागरूक होते हैं एवं अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए दूसरों को भी प्रेरित करते हैं। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ संजय जैन ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यशाला में महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ अर्चना जैन, डॉ वर्षा चौहान, डॉ शीला कुमार, डॉ मीता बादल, आरती पटेल आदि प्राध्यापक उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय हिन्दी मेल

दिनांक- 02/09/2025 पृष्ठ क्रमांक- 3 संस्करण- भोपाल प्रधान संपादक- विजय कुमार दा

बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल में आयोजित हुई कवि-गोष्ठी

भोपाल। स्वरचित साहित्य मंच और हिंदी विभाग के संयुक्त प्रयास से 30 अगस्त 25 को महाविद्यालय में कविता की धारा बही। आयोजन हुआ-कवि-गोष्ठी का कवि बने-विद्यार्थी, शिक्षक और कर्मचारी। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.संजय जैन ने इस अभिनव आयोजन को साहित्य क्लब की विशेष उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि स्वरचित साहित्य मंच का यह कार्यक्रम नवाचार की दिशा में मील का पत्थर है। आकाश हमारा है, परचम लहराना है और कुछ कही कुछ अनकही जैसी साहित्यिक थीम पर विद्यार्थियों ने कविता का अनूठा संसार रचा। प्राची विश्वकर्मा ने अपनी कविता सुनाकर सबको भावुक कर दिया। कविता यादव ने यदि मैं किताब होती शीर्षक से गहरी बात कही। त्रिवेणी,सीता रजक ,ज़ोया, तुषार और रश्मि अहिरवार ने भी कविगोष्ठी को आगे बढ़ाया। महाविद्यालय के रमाकांत तिवारी ने जाग उठा अब देश हमारा शीर्षक से सभागार में देशभक्ति का रंग भर दिया। आरती पटेल डॉ.अर्चना गौर,डॉ.कीर्ति श्रीवास्तव ,डॉ.इलारानी श्रीवास्तव ने अपनी मौलिक कविताएं पढ़ीं। डॉ. सुषमा जादौन ने मां अभी है और मां अब नहीं है दो कविताओं की प्रस्तुति से श्रोताओं को भावविभोर कर दिया।

दैनिक राजधानी पॉवर मेट्रो

भोपाल, मंगलवार 02 सितंबर 2025 02

बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में हुई कवि-गोष्ठी

दैनिक राजधानी पॉवर, भेल भोपाल

स्वरचित साहित्य मंच और हिंदी विभाग के संयुक्त प्रयास से महाविद्यालय में कविता की धारा बही। आयोजन हुआ-कवि-गोष्ठी का। कवि बने-विद्यार्थी, शिक्षक और कर्मचारी। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.संजय जैन ने इस अभिनव आयोजन को साहित्य क्लब की विशेष उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि स्वरचित साहित्य मंच का यह कार्यक्रम नवाचार की दिशा में मील का पत्थर है। आकाश हमारा है, परचम लहराना है और कुछ कही कुछ अनकही जैसी साहित्यिक थीम पर विद्यार्थियों ने कविता का अनूठा संसार रचा। प्राची विश्वकर्मा ने अपनी कविता सुनाकर सबको भावुक कर दिया। कविता यादव ने यदि मैं किताब होती शीर्षक से गहरी बात कही। त्रिवेणी,सीता रजक ,ज़ोया, तुषार और रश्मि अहिरवार ने भी कविगोष्ठी को आगे बढ़ाया। महाविद्यालय के श्री रमाकांत तिवारी ने जाग उठा अब देश हमारा शीर्षक से सभागार में देशभक्ति का रंग भर दिया। आरती पटेल डॉ.अर्चना गौर,डॉ.कीर्ति श्रीवास्तव, डॉ.इलारानी श्रीवास्तव ने अपनी मौलिक कविताएं पढ़ीं। डॉ. सुषमा जादौन ने मां अभी है और मां अब नहीं है दो कविताओं की प्रस्तुति से श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। सभागार में कला, वाणिज्य और विज्ञान के विद्यार्थियों ने सहभागिता की। महाविद्यालय परिवार की उपस्थिति से यह कार्यक्रम गरिमामय बन गया। प्रतिभागियों को प्राचार्य महोदय द्वारा पुरस्कृत भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. इला रानी श्रीवास्तव और आभार प्रदर्शन डॉ.कमलेश सिंह नेगी ने किया।

बच्चों में एक भारत-श्रेष्ठ भारत की भावना को मजबूत करें : मंत्री श्री सिंह

भोपाल : स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने कहा है कि देश में राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने के लिये बच्चों में एक भारत-श्रेष्ठ भारत" की भावना को मजबूत किया जाना जरूरी है। हमारी विविधता भरी सांस्कृतिक विरासत पूरी दुनिया में भारत को अलग पहचान दिलाती है। मंत्री श्री सिंह सोमवार को भोपाल में सांदीपनि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, गोविंदपुरा, भेल की वार्षिक पत्रिका "वीथिका" का विमोचन करने के बाद समारोह को संबोधित कर रहे थे।

मंत्री श्री सिंह ने कहा कि प्रदेश में संचालित हो रहे सांदीपनि विद्यालयों में बच्चों की बहुमुखी प्रतिभा को तराशने का कार्य बेहतर तरीके से किया जा रहा है। स्कूल शिक्षा विभाग ने इन विद्यालयों में सभी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास किया है। सांदीपनि विद्यालय में बच्चों की सुविधा के लिये निःशुल्क बस सेवा भी उपलब्ध करायी जा रही है। विद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीमती पूनम अवस्थी ने बताया कि वार्षिक पत्रिका वीथिका में संविधान के 75वें वर्ष के मौके पर संविधान से जुड़ी सभी आवश्यक जानकारियों का समावेश किया गया है। उन्होंने बताया कि भेल सांदीपनि विद्यालय का स्वयं का भवन लगभग 34 करोड़ रुपये की लागत से जल्द बनकर तैयार हो जायेगा। विद्यालय में के.जी. से 12वीं तक करीब 1080 बच्चे अध्ययनरत हैं। इन बच्चों को हिन्दी और इंगलिश मीडियम में अध्ययन की सुविधा उपलब्ध करायी जा रही है। विद्यालय में पिछले वर्ष विभिन्न राज्यों की संस्कृति के आदान-प्रदान के लिये नागालैण्ड राज्य के बच्चों ने दौरा किया था।

कार्यक्रम विवरणिकाएँ

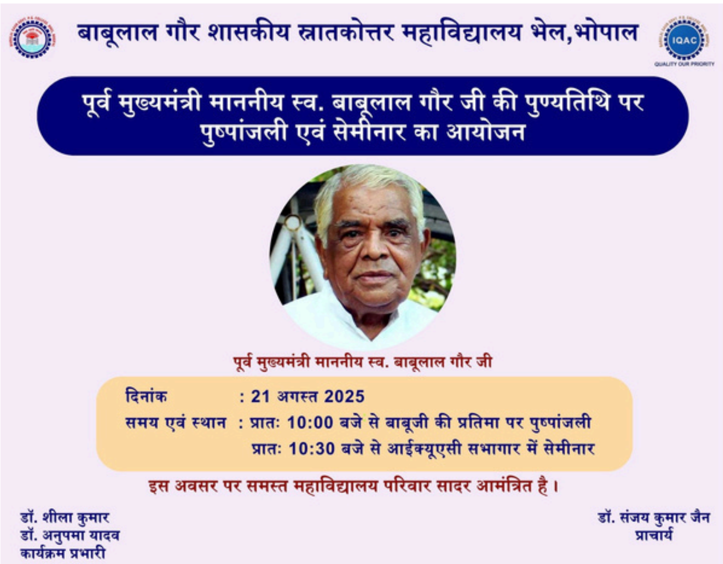

स्टूडेंट कॉर्नर

नयी कलम से............

तू अपनी अलग पहचान बना
अपनी खूबियाँ ढूंढ
खामियाँ निकालने के लिए लोग है ना ।

जो रखना है कदम तो आगे रख
पीछे खींचने के लिए लोग है ना ।

सपने देखने है तो ऊंचे देख,
नीचा दिखाने के लिए लोग है ना ।

तू अपने अंदर जुनून की चिंगारी भड़का
जलने के लिए लोग है ना ।

प्यार करना है तो खुद से कर,
नफरत करने के लिए लोग है ना ।

रहना है तो बच्चा बनकर रह,
समझदार बनने के लिए लोग है ना ।

भरोसा रखना है तो कुछ पर रख,
शक करने के लिए लोग है ना ।

तू बस सँवार ले खुद को
आईना दिखाने के लिए लोग है ना ।

खुद की अलग पहचान बना,
भीड़ में चलने के लिए लोग है ना ।

तू कुछ करके दिखा दुनिया को
तालिया बजाने के लिए लोग हैं ना ।

पलक वर्मा
बी.कॉम. प्रथम वर्ष

प्रतिक्रियाएँ ई-मेल द्वारा प्राप्त

ई-न्यूज लेटर पत्रिका 'तरंग' सभी छात्र-छात्राओं के लिए महाविद्यालय की संपूर्ण जानकारी और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने हेतु अत्यधिक सहायक होती हैं ।

चंद्रशेखर प्रजापति
बी.कॉम. प्रथम वर्ष

तरंग स्टार

एनसीसी केडेट सीपीएल आबिद खान ने 79 वें स्वतंत्रता दिवस के भव्य अवसर पर एनसीसी परेड में कंटिंजेंट कमांडर के रूप में नेतृत्व कर महाविद्यालय को गौरवान्वित किया ।

एन.सी.सी. के कोर कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल पी.पी. सिंह के भोपाल सैन्य स्टेशन दौरे के दौरान उनकी गरिमामयी उपस्थिति के सम्मान में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर का नेतृत्व इस महाविद्यालय के एन.सी.सी. कैडेट आयुष नाहर ने कुशलता से किया, जिससे एन.सी.सी. प्रशिक्षण से प्राप्त अनुशासन, समन्वय और नेतृत्व की भावना का प्रदर्शन हुआ। यह कार्यक्रम संस्थान के लिए एक गौरवशाली क्षण रहा, जिसने हमारे कैडेटों के समर्पण और एक प्रतिष्ठित सेना कोर कमांडर द्वारा गार्ड की कमान संभालने के सम्मान को उजागर किया।

दोनो छात्र इस अंक के तरंग स्टार हैं।

विशेष स्टूडेंट कॉर्नर

BABULAL GAUR GOVT. P.G. COLLEGE, BHEL, BHOPAL

Compulsory For All Regular Students

सभी नियमित विद्यार्थियों के लिये अनिवार्य

SMIS – Student MIS Portal

Registration Link- https://babulalgaurgpgcollegebhelbhopal.co.in/

Contact Person- Dr. Arun Sen, Mob. No. 9755365563, Mr. Rahul Vanshkar, Mob. No. 9399988690

SWAYAM – FREE ONLINE EDUCATION

शिक्षित भारत, उन्नत भारत

Registration Link- https://swayam.gov.in

Contact Person- Dr. Varsha Chauhan, Mob. No. 7692972143

NICE 25

Registration Link- https://nice.crypticsingh.com/register

After Registration fill this Google form Link- https://forms.gle/QhXR6FjpDd7KPBzP9

Contact Person- Dr. R.K. Sharma, Mob. No. 7987826713

मुख्यमंत्री सीखो कमाओ योजना

Registration Link- www.mmsky.mp.gov.in

After Registration fill this Google Form Link- https://forms.gle/ypZtDdU6QNGwj95M7

Contact Person- Mrs. Pratibha Deharia, Mob. No. 9826062480, Coordinator SVCGC

ABC ID CARD – APAAR

ABC / APAAR ID

Registration Link- https://www.abc.gov.in

Contact Person- Dr. R.K. Sharma, Mob. No. 7987826713

सभी नियमित विद्यार्थियों को उपरोक्त में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

आगामी कार्यक्रम

- हिन्दी दिवस
- हिन्दी पखवाड़ा
- भारतीय ज्ञान परंपरा की गतिविधियाँ

संपादक की पाती

नए शैक्षणिक सत्र के साथ हमारे बीच नए विद्यार्थी जुड़े हैं। उनकी ऊर्जा, जिज्ञासा और सपने इस परिसर को नयी ताजगी से भर देते हैं । अध्ययन केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं होता है, यह सोचने, गढ़ने और स्वयं को खोजने की प्रक्रिया है। इसी खोज को दिशा देती है रचनात्मकता, जो हर विद्यार्थी को अपनी भाषा, अपने विचार और अपनी पहचान व्यक्त करने का अवसर देती है ।

'तरंग' का यह सितंबर अंक इन्हीं नयी तरंगों का स्वागत है- नयी शुरूआत, नए विचार और भाषा की नयी चमक के साथ । आइए, हम सब मिलकर अध्ययन और रचनात्मकता को अपनी शक्ति बनाएँ, ताकि हमारी भाषा और ज्ञान दोनों समृद्ध हों ।

माह- सितंबर 2025 का ' तरंग ' अंक आपके हाथों में है। यह अंक आपको कैसा लगा, हमें अवश्य बताएँ । आपकी टिप्पणी / सुझावों की हमें प्रतीक्षा रहेगी । विद्यार्थी अपनी रचनाएँ, सुझाव, प्रतिक्रिया और उपलब्धि 'स्टूडेंट कॉर्नर' के लिये tarangnews2024@gmail.com पर मेल कर सकते हैं।

सौजन्य ई-न्यूजलेटर समितिः- डॉ. सुषमा जादौन (संयोजक)
डॉ. दीक्षा बरडे, डॉ. वर्षा चौहान
श्री संजय साहू (कम्प्यूटर वर्क)